RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 267 ता. 05 अप्रेल 2021, सोमवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कांग्रेस विधायक के बेटे पर दुष्कर्म का मामला दर्ज, शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

इंदौर। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के बड़नगर विधानसभा से कांग्रेस विधायक मुरली मोरवाल के बेटे करण पर खिलाफ पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। युवा कांग्रेस की एक महिला ने विधायक के बेटे पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया था। विधायक ने अपने बेटे पर लगाए गए आरोपों को झूठा बताया, लेकिन राज्य की युवा कांग्रेस यूनिट ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बना दी है। इंदौर के महिला पुलिस थाने

शिकायत में महिला ने कहा कि वह इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान विधायक के बेटे से मिली।

की एक अधिकारी ने कहा कि विधायक के बेटे के खिलाफ शुक्रवार की शाम एफआइआर दर्ज की गई। शिकायत दर्ज कराने वाली महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर इस साल फरवरी माह में उसके साथ दुष्कर्म किया। विधायक ने बेटे को फंसाए जाने की बात कही है। शिकायत में महिला ने कहा कि वह इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान विधायक के बेटे से मिली। इसके बाद वे दोस्त बन गए और दोनों शहर में उसके फ्लैट में कई मौकों पर मिलते थे। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी के बहाने उसके साथ दुष्कर्म किया, लेकिन बाद में उसने शादी करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि पीड़िता के बार-बार शादी का आग्रह करने पर आरोपित मुकर गया और उसे जान से भी मारने की धमकी दी। महिला पुलिस स्टेशन की एक अधिकारी ज्योति शर्मा ने कहा कि शुक्रवार को इंदौर की रहने वाली महिला ने थाने में आकर कहा कि करण मोरवाल ने उसके साथ दोस्ती की और शादी के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। बाद में उससे शादी करने से इनकार कर दिया। हमने आइपीसी की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि आरोपी की तलाश जारी है।

नक्सलियों से लोहा लेने वाले जवानों की शहादत को अमित शाह ने किया नमन, कहा

देश आपकी वीरता को कभी नहीं भूलेगा

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षा बल के पांच जवान शहीद हो गए और अब भी 15 जवान लापता बताए जा रहे हैं। नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद होने वाले जवानों की शहादत को गृहमंत्री अमित शाह ने नमन कर दिया है। सुकमा एनकाउंटर में शहीद हुए जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश उनकी वीरता को कभी नहीं भूलेगा।

अमित शाह ने ट्वीट किया, 'मैं छत्तीसगढ़ में माओवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए हमारे बहादुर सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को नमन करता हूं। राष्ट्र उनकी वीरता को कभी नहीं भूलेगा। मेरी संवेदना उनके परिवारों के साथ है। हम शांति और प्रगति के इन दुश्मनों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।'

बता दें कि छत्तीसगढ़ में शनिवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान पांच जवान शहीद हो गए थे। छत्तीसगढ़ पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि एनकाउंटर के बाद से अब तक कम से कम 15 जवान लापता हैं। वहीं, शहीद हुए पांच जवानों में से 2 के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में घायल 23 जवानों को बीजापुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है तो वहीं 7 जवानों को रायपुर अस्पताल भेजा गया है।

राज्य के नक्सल विरोधी अभियान के पुलिस उप महानिरीक्षक ओपी पाल ने बताया कि शुक्रवार की रात बीजापुर और सुकमा जिले से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन,

डीआरजी और एसटीएफ के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान में बीजापुर जिले के तर्रेम, उसूर और पामेड़ से तथा सुकमा जिले के मिनपा और नरसापुरम से लगभग दो हजार जवान शामिल थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज दोपहर लगभग 12 बजे बीजापुर-सुकमा जिले की सीमा पर सुकमा जिले के जगरगुंड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोनागुड़ा गांव के करीब नक्सलियों की पीएलजीए बटालियन तथा तर्रेम के सुरक्षा बलों के मध्य मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ तीन घंटे से अधिक समय तक चली। पाल ने बताया कि अभी तक मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में कोबरा बटालियन का एक जवान, बस्तरिया बटालियन के दो जवानों तथा डीआरजी के दो जवानों (कुल पांच जवानों) की मृत्यु हुई है। इस दौरान 30 जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों में से सात जवानों का रायपुर के अस्पताल में तथा 23 जवानों का इलाज बीजापुर के अस्पताल में किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुठभेड़ में पांच जवानों की शहादत पर दुख व्यक्त किया है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बघेल ने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा है,%सुरक्षा बलों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। हमारे जवानों ने शौर्य का परिचय देते हुए नक्सलियों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। नक्सलियों के विरूद्ध सुरक्षा बल और भी तेजी से अभियान चलाएंगे।% मुख्यमंत्री ने इस घटना में घायल जवानों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस वर्ष मार्च माह की 23 तारीख को नक्सलियों ने नारायणपुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट कर बस को उड़ा दिया था। इस घटना में बस में सवार डीआरजी के पांच जवान शहीद हो गए थे।

50 करोड़ फेसबुक यूजर्स का डेटा लीक, हैकर्स ने फ्री में पब्लिक की डीटेल

नई दिल्ली। फेसबुक से प्राइवेट डीटेल चुरानेवाले एक हैकर ने दावा किया है कि उसने पचास करोड़ से अधिक फेसबुक इंकम उपयोगकर्ताओं की जानकारी उड़ा ली है। इसमें फ़ोन नंबर और अन्य डेटा शामिल हैं। इस डीटेल को हैकर ने मुफ्त में सार्वजनिक कर दिया है। इज़राइली साइबर क्राइम इंटेलिजेंस फर्म हडसन रॉक के सह-संस्थापक अलोन गैल ने शनिवार को कहा कि डेटाबेस फेसबुक से जुड़े टेलीफोन नंबरों का वही सेट प्रतीत होता है जो जनवरी से हैकर सर्किलों में घूम रहा है और जिसके बारे में पहली बार मदरबोर्ड को बताया गया है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हैकर से टेलीग्राम पर संपर्क करने की कोशिशें की गई जो

तुरंत नहीं हो पाया। फेसबुक ने भी इस बारे में मांगी गई जानकारी के एवज में कोई जवाब नहीं दिया। इस साल की शुरुआत में मदरबोर्ड की एक रिपोर्ट में फेसबुक का हवाला देते हुए कहा गया था कि लीक हुआ डेटा बग का फल है जिसे कंपनी ने अगस्त 2019 में पहचाना था।

गैल ने रॉयटर्स से कहा कि फेसबुक उपयोगकर्ताओं को आने वाले महीनों में अपने फोन नंबर या अन्य निजी डेटा चुराने वाले लोगों के 'सोशल इंजीनियरिंग हमलों' से सतर्क रहना चाहिए। वअन्य पत्रकारों का कहना है कि वे डेटा डंप के विवरणों में ज्ञात फोन नंबरों का मिलान कर रहे हैं।

बीजापुर में नक्सलियों से मुठभेड़ के बाद 15 जवान लापता, 5 हुए थे शहीद

30 घायलों का चल रहा इलाज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान पांच जवान शहीद हो गए थे और अब छत्तीसगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया है कि एनकाउंटर के बाद से अब तक कम से कम 15 जवान लापता हैं। वहीं, शहीद हुए पांच जवानों में से 2 के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ में घायल 23 जवानों को बीजापुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है तो वहीं 7 जवानों को रायपुर अस्पताल भेजा गया है। राज्य के नक्सल विरोधी अभियान के पुलिस उप महानिरीक्षक ओपी पाल ने बताया था कि बीजापुर और सुकमा जिले से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन, डीआरजी और एसटीएफ के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान में बीजापुर जिले के

तर्रेम, उसूर और पामेड़ से तथा सुकमा जिले के मिनपा और नरसापुरम से करीब दो हजार जवान शामिल थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे बीजापुर-सुकमा जिले की सीमा पर सुकमा जिले के जगरगुंड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोनागुड़ा गांव के करीब नक्सलियों की पीएलजीए बटालियन तथा तर्रेम के सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ तीन घंटे से अधिक समय तक चली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक महिला नक्सली का शव बरामद किया है।

इससे पहले 23 मार्च को नक्सलियों ने नारायणपुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट कर बस को उड़ा दिया था। इस घटना में बस में सवार डीआरजी के पांच जवान शहीद हो गए थे।

अब बिना रिजर्वेशन कर सकेंगे सफर, 5 अप्रैल से रेलवे शुरू करने जा रहा 71 अनारक्षित ट्रेनें

नई दिल्ली। अब आप बिना रिजर्वेशन के भी आप सफर कर सकेंगे। रेलवे ने बड़ी संख्या में 5 अप्रैल से अनारक्षित ट्रेन पटरी पर उतारने का फैसला किया है। इससे दिल्ली-एनसीआर के साथ ही सहारनपुर, अमृतसर, फिरोजपुर, फजिल्का समेत कई जगहों की राह आसान होगी। पांच अप्रैल से ज्यादातर अनारक्षित ट्रेन लोगों की राह आसान करने लगेंगी। उत्तरी रेलवे की तरफ से कुल 71 अनारक्षित मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की सूची जारी की गई। वहीं रेल मंत्रालय ने ट्वीट कर शनिवार को इसकी जानकारी दी है। रेल मंत्रालय ने ट्वीट किया, रेलवे भारतीय रेल यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करते हुए 5 अप्रैल से 71 अनारक्षित ट्रेन सेवाएं आरंभ करने

जा रहा है। ये ट्रेनें यात्रियों के सुरक्षित और आरामदायक सफर को सुनिश्चित करेंगी। इस ट्वीट में एक लिंक दिया गया है, जिसमें ट्रेनों की सूची दी गई है। कोविड की वजह से अनारक्षित ट्रेनें स्पेशल ट्रेन के नाम से चलेंगी। लिहाजा इन ट्रेनों का किराया पैसेंजर ट्रेनों जैसा सस्ता नहीं होगा बल्कि मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों जैसा होगा।

यहां के लिए होंगी अनारक्षित ट्रेनें-सहारनपुर-दिल्ली जंक्शन, फिरोजपुर कैंट-लुधियाना, फजिल्का-लुधियाना, बठिंडा-लुधियाना, वाराणसी-प्रतापगढ़, सहारनपुर-नई दिल्ली, जाखल-दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद-पानीपत, शाहजहांपुर-सीतापुर, गाजियाबाद-मुरादाबाद समेत कई शहरों के लिए अनारक्षित ट्रेन चलेंगी।

बिहार में रोड एक्सीडेंट में मौत होने पर अब मिलेगा 5 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को मिलेंगे ढाई लाख

पटना। बिहार में सड़क दुर्घटना में मौत होने पर अब मृतक के निकटतम परिजनों को पांच लाख दिए जाएंगे। जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई लाख दिए जाएंगे। परिवहन विभाग इसके लिए बिहार मोटर गाड़ी संशोधन नियमावली 2021 तैयार कर रहा है। नियमावली का ड्रॉफ्ट जारी कर दिया गया है। विभाग के वेबसाइट पर इस नियमावली से संबंधित आपत्ति व सुझाव 30 दिनों तक दिया जा सकता है। इसके बाद नियमावली अमल में आएगा। सड़क दुर्घटना के कारण व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में मृतक के आश्रित को अथवा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तात्कालिक रूप से अंतरिम मुआवजा भुगतान के लिए बिहार सड़क सुरक्षा परिषद की ओर से 50 करोड़ की राशि कर्णांकित की जाएगी। यह

राशि बिहार वाहन दुर्घटना सहायता निधि के रूप में जानी जाएगी। निधि की राशि खत्म होने के अनुसार सरकार समय-समय पर अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराएगी। अर्थात यह राशि चक्रीय निधि यानी रिवॉल्विंग फंड के रूप में उपयोग किया जाएगा। दुर्घटना होने पर दावा जांच पदाधिकारी संबंधित थानाध्यक्ष, स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी या चिकित्सा अधिकारी व स्थानीय जिला परिवहन पदाधिकारी दुर्घटना की पुष्टि करेंगे। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि मृतक के आश्रित अथवा घायल व्यक्ति को यह प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं होगी कि यह गाड़ी चालक की भूल के कारण दुर्घटना हुई है। अनुमंडल पदाधिकारी मृत्यु की स्थिति में मृतक के आश्रित या गंभीर रूप से घायल को अंतरिम मुआवजा भुगतान की अनुशंसा करेंगे। इसके मूल्यांकन पदाधिकारी जिलाधिकारी होंगे जो पैसा देने की मंजूरी प्रदान करेंगे। डीएम की अनुशंसा पर जिला परिवहन पदाधिकारी संबंधित व्यक्ति को भुगतान सुनिश्चित करेंगे। नियमावली के अनुसार विवाहित होने की स्थिति में मृतक का पति या पत्नी, पति-पत्नी के नहीं रहने पर माता-पिता और माता-पिता के नहीं रहने पर पुत्र एवं पुत्री समान रूप से राशि पाने के हकदार होंगे। विवाहित व्यक्ति में अगर माता-पिता या पुत्र नहीं हुए तो बहन व भाई समान रूप से हकदार होंगे। अधिकतम 60 दिनों में इस पूरे मामलों का निपटारा कर लिया जाएगा। वहीं नियमावली में यह भी प्रावधान किया गया है कि दुर्घटना वाली गाड़ियों के बीमा होने पर संबंधित बीमा कंपनियों से मुआवजा की राशि सरकार प्राप्त करेगी।

क्या फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ा बिहार ?

पटना। बिहार में कोरोना की दूसरी लहर में कोविड-19 केस में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते नीतीश सरकार ने कई फैसले लिए हैं। देश के दूसरे हिस्सों में कोरोना संक्रमण और प्रदेश में कोरोना विस्फोट के चलते क्या एक बार फिर से बिहार में लॉकडाउन की स्थिति बन रही है। आइए जानते हैं क्या हैं हालात। दरअसल बिहार में कोरोना वेव में शनिवार को 836 नये केस मिले। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2942 हो गई। इसमें पटना में सबसे अधिक 359 संक्रमित मिले। उधर एक बार फिर से अस्पतालों के बेड कोरोना संक्रमित पेशेंट से भरने लगे हैं। पीएमसीएच-एनएमसीएच छोड़ राजधानी के सभी बड़े अस्पतालों के कोविड वार्ड भर गए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिनों में कोरोना के केस में और तेजी आ सकती है। उधर स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को कोरोना संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सतर्क रहने और पूरी तैयारी रखने का निर्देश दिया है। अभी सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में कोविड वार्ड में 100- 100 बेड की व्यवस्था की गई है। उधर शनिवार की देर शाम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कई फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री ने शनिवार की शाम को एक अणे मार्ग में समीक्षा बैठक बुलाई थी। बैठक में सीएम के निर्देश के बाद आपदा प्रबंधन समूह की बैठक हुई। आपदा प्रबंधन समूह की बैठक के बाद मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह और डीजीपी एसके सिंघल ने कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए शनिवार को संयुक्त

आदेश जारी किया। बिहार में कोरोना को लेकर हालात की गंभीरता को देखते हुए सार्वजनिक आयोजनों पर कुछ दिनों के लिए रोक लगाने के आदेश जारी किए गए। इसके अलावा सभी शैक्षणिक संस्थानों को 12 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। कोरोना संक्रमण के मामले को देखते हुए 12 के बाद का निर्णय आगे लिया जाएगा। हालांकि पूर्वनिर्धारित परीक्षाएं स्कूल या कॉलेज प्रबंधन आवश्यकता अनुसार कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कर सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सरकारी या निजी किसी भी तरह के आयोजन पर रोक -राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर सरकारी या निजी किसी भी तरह के आयोजन पर रोक लगा दी गई है। अप्रैल के अंत तक प्रभावी होगा। हालांकि शादी और श्राद्ध के कार्यक्रम पर रोक नहीं होगी। पर इसमें लोगों की उपस्थिति सीमित कर दी गई है। श्राद्ध में 50 तो शादी समारोह में अधिकतम 250 लोग शामिल हो सकते हैं। कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए शनिवार को आपदा प्रबंधन समूह की बैठक के बाद मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह और डीजीपी एसके सिंघल ने इस बाबत संयुक्त आदेश जारी किया।

कार्यालय प्रधान तय करेंगे दफ्तर का समय-सरकारी कार्यालयों में आम लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है। कार्यालय प्रधान अपने विवेक के अनुसार दफ्तर का समय और अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति निर्धारित कर सकते हैं। यह व्यवस्था 30 अप्रैल तक लागू रहेगी।

15 अप्रैल तक आधे यात्रियों के साथ ही सफर-5 से 15 अप्रैल तक बस और सार्वजनिक परिवहन वाली अन्य गाड़ियों में किसी भी सूरत में क्षमता से आधे से ज्यादा यात्री सफर नहीं कर सकते। जिला प्रशासन और परिवहन विभाग को इसे सुनिश्चित करने का टॉस्क सौंपा गया है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर सामाजिक दूरी और मास्क का उपयोग सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को दी गई है।

मॉल, होटल, रेस्टोरेंट को कड़ाई से करना होगा नियमों का पालन-शॉपिंग मॉल, होटल, रेस्टोरेंट, धार्मिक स्थल आदि जगहों पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह टॉस्क डीएम-एसपी को सौंपा गया है। वहीं फूड कोर्ट, जलपान गृह, सब्जी मंडी, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान पर लोगों के जमावड़े को नियंत्रित करने के लिए अधिक संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

सार समाचार

महाराष्ट्र में लॉकडाउन की जगह कड़ी पाबंदियां होंगी लागू, बंद रहेंगे होटल, रेस्टोरेंट और बार

मुंबई। महाराष्ट्र में शनिवार को कोविड-19 के 49,447 नये मामले सामने आये जो अभी तक किसी एक दिन में सामने आये सबसे अधिक मामले हैं। इससे राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 29,53,523 हो गई जबकि 277 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 55,656 हो गई। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने दी। मुंबई शहर में कोविड-19 के 9,108 नये मामले सामने आये जो एक दिन में सबसे अधिक हैं। कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच महाराष्ट्र में सप्ताहांत में लागू रहने वाला लॉकडाउन लगाया गया है। पूरे महाराष्ट्र में रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाया जाएगा। केवल आवश्यक सेवाओं की अनुमति होगी। रेस्टोरेंट में पार्सल सेवाओं के लिए अनुमति होगी। कार्यालयों के लिए, कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। जल्द ही विस्तृत एसओपी जारी किए जाएंगे।

उत्तराखंड के जंगलों में आग पर गृह मंत्री शाह ने की सीएम रावत से बात, एनडीआरएफ को दिए निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड के जंगलों में भड़की आग पर काबू पाने के लिएकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हेलीकॉप्टर और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों को तत्काल प्रदेश भेजने के रविवार को निर्देश दिए। अपने एक ट्वीट में शाह ने कहा, 'उत्तराखंड के जंगलों में आग के संबंध में, मैंने प्रदेश के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत से बात कर जानकारी ली।' उन्होंने कहा कि आग पर काबू पाने और जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने तुरंत एनडीआरएफ की टीमे और हेलीकॉप्टर उत्तराखंड सरकार को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री रावत ने फोन कर गृह मंत्री को जंगलों में लगी आग की जानकारी देते हुए मदद की गुहार लगाई थी। रावत ने कहा कि वनों की आग से न सिर्फ वन संपदा की हानि हो रही है, बल्कि वन्यजीवों को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि वनाग्नि की घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों, वन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग और सभी जिलाधिकारियों की आपात बैठक तत्काल बुलाई गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की वन संपदा सिर्फ राज्य की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की धरोहर है और इसे सुरक्षित तथा संरक्षित रखने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। रावत ने कहा कि उत्तराखंड में इस वर्ष सर्दियों में वर्षा सामान्य से कम हुई जिससे वनों में आग लगने की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

महाराष्ट्र सरकार ने आदिवासियों की मदद के लिए 231 करोड़ रुपये की धनराशि को मंजूरी दी

ठाणे। महाराष्ट्र सरकार ने अपनी 'खावटी' अनुदान योजना के तहत राज्य में आदिवासी परिवारों के लिए 231 करोड़ रुपये की धनराशि पारित की है। आदिवासी विकास विभाग ने 26 मार्च को इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव पारित किया। सरकारी प्रस्ताव के अनुसार, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुई समस्याओं के मद्देनजर राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले साल अगस्त में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी केपरिवारों को चार-चार हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने का फैसला किया। उसने बताया कि इस साल 26 मार्च को सरकार ने बैंक खातों में सीधे नकद हस्तांतरण के जरिए ऐसे परिवारों को दो-दो हजार रुपये देने को मंजूरी दी है। आदिवासी कल्याण पर सरकारी समिति का नेतृत्व करने वाले पूर्व विधायक विवेक पंडित ने शनिवार को यहां पत्रकारों को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि योग्य लाभार्थियों तक यह मदद पहुंचेगी।

कब किया जाएगा मुख्तार अंसारी को यूपी के हवाले? पंजाब सरकार ने पत्र लिखकर कही ये बात

चंडीगढ़। पंजाब के गृह विभाग ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा है कि वह गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की हिरासत आठ अप्रैल तक रूपनगर जेल से ले लें।

अंसारी जनवरी 2019 से कथित उगाही के मामले में रूपनगर जिला जेल में बंद हैं। वह उत्तर प्रदेश में कई मामलों में वांछित हैं। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को लिखे पत्र में पंजाब के गृह विभाग ने विचाराधीन कैदी अंसारी के स्थानांतरण के लिए उपयुक्त इंतजाम कराने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि जिला जेल रूपनगर में कैदी को आठ अप्रैल को या इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपा जाएगा। उसमें कहा गया है कि अंसारी को कई बीमारियां भी हैं और रूपनगर जेल से उत्तर प्रदेश की जेल ले जाने का प्रबंध करने के दौरान इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। पंजाब सरकार ने 26 मार्च के उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला दिया है, जिसमें राज्य सरकार को निर्देश दिया गया है कि दो हफ्ते में उत्तर प्रदेश के मऊ से विधायक को बांदा जेल में स्थानांतरित किया जाए। अपना आदेश देते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा था कि अंसारी हत्या की कोशिश, हत्या, धोखाधड़ी और साजिश के विभिन्न अपराधों में कथित रूप से शामिल है।

सीतारमण बोलीं, केरल में दो मोर्चा के बीच घोटालों को लेकर है प्रतिस्पर्धा

थिरुवल्ला। (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को आरोप लगाया कि केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ के बीच घोटालों में आगे निकालने की प्रतिस्पर्धा चल रही है और वे लोगों के कल्याण में दिलचस्पी नहीं रखते हैं, बल्कि सिर्फ 'अपनी जेबें भरना' चाहते हैं। सीतारमण ने सबरीमला के मुद्दे पर वाम दल की सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि भगवान अय्यप्पा के मंदिर में कुछ महिलाओं को गुप्त रूप से भेजने की कोशिश हुई जो भगवान की भक्त नहीं थीं। पथनमथिट्टा जिले के थिरुवल्ला में (जहां भगवान अय्यप्पा का मंदिर स्थित है) रोड शो करते हुए सीतरमण ने भक्तों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की निंदा की। केरल की वाम सरकार ने उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले को लागू करने का निर्णय किया जिसके बाद राज्य में भाजपा और दक्षिण पंथी कार्यकर्ताओं ने हिंसा की थी। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में जाने की इजाजत दे दी थी। मंदिर में पारंपरिक रूप से 10-50 वर्ष उम्र वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर रोक है। भाजपा नेता ने कहा, 'पथनमथिट्टा स्वामी अय्यप्पा का पर्याय है। किस तरह की हिंसा थी, किस तरह की पुलिस कार्रवाई हमारे खिलाफ की गई, भक्तों के खिलाफ की गई।' उन्होंने कहा कि जो महिलाएं अय्यप्पा में विश्वास नहीं करती हैं, उन्हें गुप्त रूप से मंदिर में भेजने की 'साजिश' रची गई ताकि वे वहां खड़े होकर और लाल सलाम कह सकें। सीतारमण ने कहा, '...अय्यप्पा को लाल सलाम नहीं। यह हमारे प्रिय भगवान अय्यप्पा के सामने साम्यवाद का लाल झंडा फहराने की एक साजिश है।'

बता दें कि करीब 40-45 वर्ष की दो महिलाएं पहाड़ी मंदिर को ट्रेक करने में कामयाब रही थीं जिसका अय्यप्पा के भक्तों ने जोरदार विरोध किया था। केरल में छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दूसरे दिन सीतारमण ने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चा घोटालों में एक- दूसरे से आगे निकलने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जिनमें सोना और डॉलर तस्करी मामले तथा सौर घोटाला शामिल है। एलडीएफ सोना घोटाले के आरोपों का सामना कर रहा है। यह मामला जुलाई 2020 में तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर राजनयिक थैले से जब्त किए गए 14.82 करोड़ रुपये कीमत के 30 किलोग्राम सोना से संबंधित है। सौर पैनल घोटाला यूडीएफ की पिछली सरकार से संबंधित है। भाजपा नेता ने कहा, 'क्या हम इस तरह की पार्टियां चाहते हैं? उन्हें केरल के लोगों की कोई परवाह नहीं है और उनकी रूचि सिर्फ अपनी जेबें भरने में हैं।' उन्होंने कहा, 'आज की स्थिति में जहां आप लगातार भ्रष्टाचार, हिंसा और तुष्टिकरण की नीति देख रहे हैं, ऐसे में हमें आप जैसे लोगों की जरूरत है जो खड़े होकर कह सकें कि एक विकल्प की जरूरत है।' सीतारमण ने कहा, '..आप एलडीएफ या

यूडीएफ की खातिर मतदान करने के लिए मजबूर नहीं हैं.. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे स्वच्छ नेता के नेतृत्व वाली पार्टी क्यों नहीं? क्या प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार, गलत काम का एक भी आरोप है? जबकि केरल में घोटालों की प्रतिस्पर्धा है - सोना और डॉलर, सौर और मादक पदार्थ।

ममता पर योगी का हमला, बोले- भाजपा के सत्ता में आने पर टीएमसी के गुंडे जेल में होंगे

खानाकुल। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के एक महीन के अंदर 'तृणमूल कांग्रेस के प्रश्रय वाले गुंडों को ढूंढ-ढूंढ कर' सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। उन्होंने यहां कहा कि हुगली जिले के सुदर्शन प्रमाणिक समेत 'जिन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी' उन्हें राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद इंसाफ मिलेगा। आदित्यनाथ ने कहा, '' तृणमूल कांग्रेस के गुंडे ध्यान से सुन लें। मतगणना के बाद हम तुम्हें सबक सिखायेंगे। चार साल पहले जब हमने उत्तर प्रदेश में सरकार बनायी, तब वहां भी ऐसी ही चीजें हुईं। '' उन्होंने कहा, '' हमने लोगों पर अत्याचार करने वालों को जेल में डाला। बंगाल में भी हम उन्हें दंडित करेंगे जो सिंडिकेट राज का हिस्सा हैं और कट मनी मांगते हैं।'' तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी पर अपने दस

साल के शासनकाल में तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि बनर्जी ने बंगाल में दुर्गा पूजा, सरस्वती पूजा और होली मनाने की राह में रूकावटें पैदा कीं, ये ऐसी चीज है जो उत्तर प्रदेश में कभी नहीं होती है।

उन्होंने लोगों से कहा, '' यह सुनिश्चित करने लिए भाजपा को चुनिए कि आपको त्योहारों में भाग लेने से रोका नहीं जाए।'' उन्होंने कहा कि ''जिस तरह बनर्जी यहां दुर्गा पूजा नहीं होने देती हैं, अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के खिलाफ हैं'' , उसी तरह उन्हें 'जय श्री राम' का नारा लगाने से ''चिढ़'' है। आदित्यनाथ ने कहा कि राममंदिर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी बनाना जैसे निर्णय 2019 के अपने चुनावी वादों को भाजपा द्वारा पूरा करने के उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, '' मेरे राज्य में 1.30 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली दी गयी, हर गरीब परिवार को मुफ्त राशन दिया गया और आयुष्मान भारत के तहत सभी को लाया गया। '' उन्होंने कहा, '' उसके विपरीत, बंगाल के लोगों को केंद्रीय परियोजनाओं के लाभों से वंचित किया गया, और किसानों को प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के तहत 6000 रूपये नहीं मिले। पिछले 10 सालों में 1000 किसानों ने खुदकुशी की।

बेकाबू हुआ कोरोना, 24 घंटे में 93 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 93,249 नए मामले सामने आए जो इस साल एक दिन में आए कोविड-19 के सर्वाधिक मामले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1,24,85,509 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार 19 सितंबर के बाद से कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में सामने आए ये सबसे अधिक मामले हैं। 19 सितंबर को कोविड-19 के 93,337 मामले आए थे। आंकड़ों के मुताबिक रविवार को महामारी से 513 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,64,623 हो गई है।

मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण के मामलों में लगातार 25वें दिन वृद्धि दर्ज की गई है। देश में अब भी 6,91,597 मरीज कोविड-19 का इलाज करा रहे हैं जो संक्रमण के कुल मामलों का 5.54 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वाले लोगों की दर गिरकर 93.14 प्रतिशत रह गई है। देश में 12 फरवरी को सबसे कम 1,35,926 लोग संक्रमित थे जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.25 प्रतिशत था। आंकड़ों के अनुसार इस बीमारी से अब तक 1,16,29,289 लोग उबर चुके हैं जबकि मृत्यु दर 1.32 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख का आंकड़ा पार कर गए थे। इसके बाद संक्रमण के मामले 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के पार चले गए थे। वैश्विक महामारी के मामले 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार कर गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) के मुताबिक तीन अप्रैल तक 24,81,25,908 नमूनों की जांच की जा चुकी है जिनमें से 11,66,716 नमूनों की जांच शनिवार को की गई।

विजयवर्गीय का बड़ा बयान, बंगाल में एनआरसी लागू करने का नहीं है कोई प्लान, सीएए किया जाएगा लागू

कोलकाता। (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने विपक्ष के इस दावे को रविवार को खारिज कर दिया कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आयी तो राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का लागू करेगी जिससे ''लोगों की नागरिकता के अधिकार छीन जाएंगे।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि पार्टी का इरादा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने और पड़ोसी देश में धार्मिक उत्पीड़न से भागकर भारत आए शरणार्थियों को नागरिकता देने का है। उन्होंने कहा, ''हम चुनावों के बाद सीएए लागू करने को लेकर उत्साहित हैं, जैसा कि हमने अपने चुनाव घोषणापत्र में वादा किया है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि हम उत्पीड़न का शिकार शरणार्थियों को नागरिकता देना चाहते हैं। अगर हम चुनाव जीतते हैं तो हमारी एनआरसी प्रक्रिया चलाने की कोई योजना नहीं है।'' प्रदेश भाजपा के सूत्रों के अनुसार नए नागरिकता कानून से भारत में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों को फायदा मिलेगा जिनमें से 72 लाख से अधिक लोग पश्चिम बंगाल में हैं। टीएमसी पर ''भगवा पार्टी के खिलाफ भ्रामक सूचना फैलाने'' का आरोप लगाते हुए 64 वर्षीय नेता ने हैरानी जताई कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी सीएए का विरोध क्यों कर रही है जो कि कई लोगों को फायदा पहुंचा सकता है। बंगाल में मतुआ समुदाय की अच्छी खासी आबादी है जो 1950 के बाद से मुख्यतः धार्मिक उत्पीड़न के कारण भागकर राज्य में आए थे। 30 लाख की आबादी वाले इस समुदाय का प्रभाव नदिया, उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में 30-40 विधानसभा सीटों पर है।

निर्वाचन आयोग पर भाजपा की तरफ से काम करने का आरोप लगाने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि यह विडंबना है कि टीएमसी सुप्रीमो ने तब निर्वाचन आयोग पर ऊंगली नहीं उठाई जब उनकी पार्टी को लगातार दो बार चुनाव में जीत मिली। उन्होंने कहा कि बनर्जी के ''बेवकूफाना दावों'' का कोई नतीजा नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि हार को भांपते हुए टीएमसी भगवा पार्टी के खिलाफ अनर्गल आरोप लगा रही है। विधानसभा चुनावों में भाजपा की 200 से अधिक सीटों पर जीत पर भरोसा जताते हुए विजयवर्गीय ने इस बात को खारिज कर दिया कि पार्टी को बंगाल में मुख्यमंत्री पद के लिए कोई चेहरा न पेश करने का खमियाजा उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कई नेता राज्य में सत्ता की बागडोर संभालने में सक्षम हैं और चुनावों के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। हमने जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां कभी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं उतारा। हमारे लिए विचारधारा महत्वपूर्ण है। सत्ता में आने पर विधायक दल शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा करके मुख्यमंत्री उम्मीदवार पर फैसला लेगा।'' भाजपा नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में दावा किया कि राज्य के लोग 'असल परिवर्तन' देखने का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि वे लंबे समय से चल रही घुसपैठ की दिक्कतों, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति से उकता गए हैं। ''बाहरी बनाम स्थानीय'' की बहस को लेकर ममता बनर्जी खेमे की आलोचना करते हुए भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के पास इसके अलावा कुछ बात करने के लिए नहीं है। दरअसल, टीएमसी ने भाजपा को ''बाहरी लोगों की पार्टी'' बताया है क्योंकि उसके शीर्ष नेता अन्य राज्यों से हैं। उन्होंने कहा, ''टीएमसी अपने 'बंगाल की बेटी' अभियान से भावनात्मक अपील करना चाहती है लेकिन मुझे नहीं लगता कि बंगाल इस भावना में बह जाएगा। यह 2021 है और ऐसे मुद्दों का कोई असर नहीं पड़ता है। पार्टी के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है तो वह 'बाहरी-स्थानीय' की बहस कर रही है।''

नंदीग्राम के बूथ पर धांधली को ईसी ने नकारा, ममता को 6 पन्नों में जवाब

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कड़े शब्दों में लिखे एक प्रत्युत्तर में नंदीग्राम में एक मतदान केंद्र पर बाहरी लोगों की उपस्थिति के बारे में उनके दावे को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया और उसे खारिज कर दिया। चुनाव आयोग के महासचिव उमेश सिन्हा ने शनिवार को बनर्जी को लिखे पत्र में यह भी कहा, ''इस बात की अलग से जांच की जा रही है कि एक अप्रैल की घटनाओं में जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 131 और 123 (2) और/या आदर्श आचार संहिता के तहत क्या कोई कार्रवाई बनती है।'' धारा 131 मतदान केंद्रों पर या उसके आस-पास नियम विरुद्ध आचरण के लिए दंड से संबंधित है, जबकि धारा 123 (2) ''अनुचित प्रभाव'' से संबंधित है यानी मुक्त चुनाव अधिकार में उम्मीदवार या उसके एजेंट अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप का प्रयास। पत्र में यह निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि इसमें किसके खिलाफ संभावित कार्रवाई के संबंध में उल्लेख किया जा रहा है। एक अप्रैल को नंदीग्राम में मतदान प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाते हुए बनर्जी द्वारा की गई एक शिकायत के जवाब में चुनाव आयोग ने शनिवार को बनर्जी को पत्र भेजा। चुनाव आयोग ने अपने बिंदुवार प्रत्युत्तर में कहा कि बोयल में एक मतदान केंद्र पर बाहरी लोगों की उपस्थिति और मतदान केंद्र पर कब्जा करने के बारे में बनर्जी के पत्र से पहले ''पूरे देश में व्यापक कवरेज सामने आया था... जिसमें दर्जनों ऑडियो-विजुअल शॉट दिखाए गए थे जिनमें इस मतदान केंद्र में आपकी मौजूदगी के साथ ही पश्चिम बंगाल की सरकार के साथ काम करने वाले कुछ अधिकारियों, अर्धसैनिक बलों और अंततः चुनाव आयोग पर वस्तुतः आरोपों की बौछार करते दिखाया गया था।''

चुनाव आयोग ने अपने पर्यवेक्षकों सहित जमीनी स्तर से प्राप्त रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा, ''यह उन सभी रिपोर्टों के अवलोकन से स्पष्ट है कि आपके द्वारा हाथ से लिखे गए पत्र में लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत हैं, बिना किसी साक्ष्य के हैं।'' आयोग ने कहा कि यह बहुत ही खेद की बात है कि ''सबसे बड़े हितधारकों यानि मतदाताओं को गुमराह करने के लिए एक उम्मीदवार द्वारा, जो राज्य की मुख्यमंत्री हैं'' हरेक घंटे ''मीडिया विमर्श'' बुनने का प्रयास किया गया। नंदीग्राम से चुनाव लड़ रही बनर्जी ने एक अप्रैल को मतदान के दौरान बोयल में एक मतदान केंद्र का दौरा किया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आरिज आफताब के अनुसार, व्हीलचेयर पर आयीं बनर्जी बूथ में लगभग दो घंटे तक फंसी रही थीं क्योंकि दो समूह एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगा रहे थे। बड़ी संख्या में सीएपीएफ के जवान और वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाने के बाद मुख्यमंत्री को बाहर निकाला। बाद में, बनर्जी ने परेशानी उत्पन्न करने के लिए बाहरी लोगों को दोषी ठहराया। उन्होंने नंदीग्राम में मतदान प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने का चुनाव आयोग पर आरोप भी लगाया।

मुख्तार अब्बास नकवी बोले, मुस्लिम समाज पीएम मोदी की नीतियों को दे रहा अपना समर्थन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कांग्रेस पर धर्मनिरपेक्षता को ''वोट हाइजैक करने की मशीन'' के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा ''सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी'' है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''धर्मनिरपेक्षता के प्रति हमारी संवैधानिक प्रतिबद्धता के नायक'' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम समाज प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को अपना समर्थन दे रहा है और धीरे-धीरे भाजपा से जुड़ रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने असम और पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी की जीत की उम्मीद जताई तथा आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में एआईयूडीएफ, पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और केरल में आईयूएमएल से जो समझौता किया है, उससे स्पष्ट हो गया है कि धर्मनिरपेक्षता उसके लिए सिर्फ ''वोट हाइजैक करने की मशीन'' भर है। उन्होंने कहा, ''मैंने कहा है कि यह 'कम्युनल बैग पर सेक्युलर टैग' है। असम, केरल और पश्चिम बंगाल में जिन पार्टियों के साथ कांग्रेस ने समझौता किया है, उससे साफ है कि कांग्रेस और उसकी साथी पार्टियों के लिए धर्मनिरपेक्षता सिर्फ 'वोट कैचिंग' मशीन है और वोट 'हाइजैक करने की मशीन' है। अब ये बेनकाब हो चुके हैं। इसीलिए कांग्रेस अलग-थलग पड़ती जा रही है।'' नकवी ने कहा, ''हमारे लिए धर्मनिरपेक्षता समावेशी विकास की प्रतिबद्धता है। धर्मनिरपेक्षता भाजपा और नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए संवैधानिक संकल्प भी है और मिशन भी है। कोई भी नहीं कह सकता कि मोदी सरकार ने किसी के साथ कोई भेदभाव किया है।''

उन्होंने कहा, ''भाजपा सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। इससे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी कोई नहीं हो सकती। नरेन्द्र मोदी धर्मनिरपेक्षता के प्रति हमारी संवैधानिक प्रतिबद्धता के नायक हैं।'' नकवी ने प्रधानमंत्री के 2014के एक भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, ''शपथ लेने से पहले मोदी जी ने संविधान के सामने सिर झुकाकर कहा था कि जिसने वोट दिया और जिसने नहीं दिया, हमारे लिए सब बराबर हैं। इससे बड़ी समावेशी और धर्मनिरपेक्ष सोच नहीं हो सकती।'' केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''चुनावी राज्यों में मोदी जी के प्रति मुसलमानों का बहुत ही मजबूत समर्थन दिखाई पड़ रहा है। सभी इस बात से संतुष्ट हैं कि मोदी के रहते समाज का कोई भी हिस्सा असुरक्षित नहीं है। कौन वोट देगा, नहीं देगा, मैं नहीं कह सकता। लेकिन मोदी विकास के नायक हैं और जनता के नेता हैं। जब 'जनता' कह रहा हूं तो इसमें समाज का हर तबका शामिल है।'' उन्होंने कहा कि इन चुनावों में

भाजपा ने मुसलमानों को भी टिकट दिया है तथा अब धीरे-धीरे मुस्लिम भी उनकी पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने किसी नेता का नाम लिए बगैर कहा कि अब 'कमरे में टोपी और सड़क पर तिलक लगाने' की राजनीति नहीं चल सकती क्योंकि लोग समावेशी विकास की राजनीति को पसंद कर रहे हैं।

सीडीएस रावत नौसेना की दक्षिणी कमान के दो दिन के दौरे पर

कोच्चि। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत नौसेना की दक्षिणी कमान के दो दिन के दौरे पर हैं और इस दौरान वह कोचीन शिपयार्ड में बनाए जा रहे स्वदेशी विमानवाहक पोत से संबंधित कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यह जानकारी रविवार को यहां एक रक्षा प्रवक्ता ने दी। उन्होंने कहा कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद संभालने के बाद दक्षिणी बंदरगाह शहर की यह उनकी पहली यात्रा है। जनरल रावत शनिवार शाम को यहां पहुंचे थे और सोमवार शाम लौटने से पहले वह विभिन्न पेशेवर प्रशिक्षण स्कूलों तथा नौसैन्य स्टेशन स्थित क्षति नियंत्रण प्रशिक्षण प्रतिष्ठान का दौरा करेंगे। रक्षा प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''उनका (रावत) दक्षिणी नौसैन्य कमान में प्रशिक्षण अवसंरचना की समीक्षा करने का कार्यक्रम है, जो नौसेना की प्रशिक्षण कमान है। जनरल का कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्चि में निर्माणाधीन स्वदेशी विमानवाहक पोत को देखने और इसकी प्रगति की समीक्षा का कार्यक्रम है।'' इसमें कहा गया कि रावत को कमान द्वारा शुरू की गईं पर्यावरण संबंधी विभिन्न पहलों के बारे में भी अवगत कराया जाएगा।

सार समाचार

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज संक्रमित पाए गए

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने कहा है कि शुरुआती जांच के अनुसार वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं हालांकि उन्होंने जनवरी में इसका टीका लगवाया था। राष्ट्रपति ने शुक्रवार देर रात ट्वीट कर कहा कि 37.3 डिग्री सेल्सियस (99.1 डिग्री फॉरनहाइट) बुखार और सरदर्द होने के बाद उन्होंने एंटीजन जांच करायी जिसकी रिपोर्ट सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि उनकी तबियत ठीक है लेकिन वह खुद को पृथक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह आरटी-पीसीआर जांच की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। राष्ट्रपति फर्नांडीज ने 21 जनवरी को रूसी कोविड टीके स्पुतनिक-वी की एक खुराक ली थी और उसके कुछ दिनों बाद दूसरी खुराक ली थी। टीके बनाने वाली कंपनी ने ट्वीट किया कि वह राष्ट्रपति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। कंपनी ने कहा कि संक्रमण के खिलाफ टीका के प्रभावी होने की दर 91.6 प्रतिशत और गंभीर मामलों में 100 प्रतिशत है। कंपनी ने कहा कि यदि संक्रमण की पुष्टि होती है तो टीकाकरण गंभीर लक्षणों के बिना तेजी से स्वस्थ होने को लेकर आश्वस्त करता है।

50 करोड़ से अधिक खातों का फेसबुक डेटा हैकरों की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध

न्यूयॉर्क। हैकरों की एक वेबसाइट पर 50 करोड़ से अधिक फेसबुक यूजर (उपयोगकर्ताओं) के डेटा की जानकारी उपलब्ध है। यह सूचना कई साल पुरानी प्रतीत होती है, लेकिन यह फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया साइट द्वारा एकत्र की जाने वाली विस्तृत जानकारी की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती है। डेटा उपलब्ध होने की जानकारी 'बिजनेस इनसाइडर' वेबसाइट ने दी। इस वेबसाइट के अनुसार, 106 देशों के लोगों के फोन नंबर, फेसबुक आईडी, पूरे नाम, स्थान, जन्मतिथि और ईमेल पते ऑनलाइन उपलब्ध है। लोगों की जानकारी की सुरक्षा को लेकर फेसबुक पर कई साल से सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया कंपनी ने 2018 में फोन नंबर के जरिए यूजर के खातों को खोजने की सुविधा इस खुलासे के बाद बंद कर दी थी कि राजनीतिक कंपनी 'कैम्ब्रिज एनालिटिका' ने आठ करोड़ 70 लाख फेसबुक यूजर की जानकारी उनकी जानकारी या सहमति के बिना प्राप्त कर ली। यूक्रेन के एक सुरक्षा अनुसंधानकर्ता ने दिसंबर 2019 में बताया था कि 26 करोड़ 70 लाख फेसबुक यूजर की जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है। अभी यह अस्पष्ट है कि 'बिजनेस इनसाइडर' ने जिस डेटा के उपलब्ध होने की जानकारी दी है, वह दिसंबर 2019 में मिले डेटा से संबंधित है या नहीं। फेसबुक ने एक बयान में कहा, ''यह पुराना डेटा है, जिसकी जानकारी 2019 में दी गई थी। हमने इस समस्या को अगस्त 2019 में ही दूर कर दिया था।

चीन में बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत

बीजिंग। पूर्वी चीन के जियांगशु प्रांत में रविवार तड़के एक ट्रक और यात्री बस की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। शेनयांग-हाएकोउ एक्सप्रेस-वे पर ट्रक डिवाइडर तोड़कर बस से टकरा गया, जिससे बस पलट गई और दो अन्य ट्रकों से जा टकराई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ'की खबर के अनुसार घायलों को एक निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया है जिनकी सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। खबर में कहा गया है कि दुर्घटना संबंधी जांच जारी है।

अमेरिका में कोरोना विकराल, काल के गाल में समा चुके 5.54 लाख से अधिक लोग

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से अब तक 5.54 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 3.06 करोड़ से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 5,54,779 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 3,06,68,826 हो गयी है। अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 50,551 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 24,632 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 59,614 लोगों की मौत हो चुकी है।

टेक्सास में इसके कारण 48,676 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 33,652 लोगों की जान गई है। इसके अलावा इलिनॉयस में 23,635, मिशीगन में 17,259, मैसाचुसेट्स में 17,281 जबकि पेंसिल्वेनिया में कोरोना से 25,166 लोगों की मौत हुई है। गौरतलब है कि देश में कोरोना टीकाकरण का अभियान भी बड़े पैमाने पर चल रहा है।

ब्रिटेन की दवा नियामक ने माना, एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन से 30 लोगों में खून के थक्के जमे, 7 की हुई मौत

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वैक्सीन लेने के बाद 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं। ब्रिटेन में कोरोना के ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का टीका लेने के बाद 30 लोगों की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ने लगी। टीकाकरण के बाद सभी के सिर में खून के थक्के जमने की शिकायत आने लगी। सबको अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें से 7 लोगों ने दम तोड़ दिया। जबकि 23 लोग गंभीर रूप से बीमार हैं।

ब्रिटेन की दवा नियामक ने कहा है कि उसने एस्ट्राजेनेका के कोरोना वायरस रोधी टीके से संबंधित खून के थक्के जमने के 30 मामलों की पहचान की है, लेकिन जोर दिया है कि किसी खतरे की तुलना में टीके के फायदे अधिक हैं। औषधि एवं स्वास्थ्य देखभाल नियामक एजेंसी ने कहा कि इस तरह से खून के थक्के जमने से संबंधित खतरा बहुत कम है। लोगों को यह टीका लगवाना जारी रखना चाहिए।

ब्रिटेन में 1.81 करोड़ लोगों ने ऑक्सफोर्ड का टीका लगवाया

औषधि एवं स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद नियामक एजेंसी (एमएचआरए) ने इस हफ्ते कोरोना वायरस रोधी टीकाकरण कार्यक्रम पर अपनी ताजा येलो कार्ड निगरानी पर कहा कि ब्रिटेन में 1.81 करोड़ लोगों ने ऑक्सफोर्ड का कोविड-19 का टीका लगवाया है। इनमें 24 मार्च तक 30 लोगों में खून के थक्के विकसित हुए। सात लोगों की मौत हुई।

टीके का इस्तेमाल जारी रखना चाहिए

एमएचआरए के अधिकारियों ने सलाह दी है कि इस टीके का इस्तेमाल जारी रखना चाहिए, क्योंकि टीके के खतरों की तुलना में फायदे अधिक हैं। नियामक ने कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या खून के थक्के जमने का कोई संबंध है या ये मामले सिर्फ एक संयोग हैं। एमएचआरए ने कहा कि उसे फाइजर-बायोएनटेक के टीके के संबंध में थून के थक्के जमने की रिपोर्ट नहीं मिली हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, टीका सुरक्षित और प्रभावी

यूरोप में ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका का टीका लगवाने वाले कुछ लोगों में खून के थक्के जमने के मामले सामने आए थे, जिसके बाद चिंता जाहिर की गई थी। जर्मनी जैसे कुछ देशों ने कुछ आयु वर्ग के लोगों से कहा था कि वे इस टीके को न लगवाएं। वहीं, यूरोपीय औषधि निगरानी संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों ने ही कहा है कि यह टीका सुरक्षित और प्रभावी है।

24 मार्च तक के मामले

एजेंसी ने कहा कि ये मामले 24 मार्च तक के हैं, जिस दौरान टीके की 1.81 करोड़ खुराकें लगाई गई हैं। उसे फाइजर-बायोएनटेक के टीके के संबंध में इस तरह की रिपोर्ट नहीं मिली हैं। एस्ट्राजेनेका के टीके से संबंधित चिंताओं के कारण कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे कुछ देशों ने बुजुर्गों को मना किया है कि वे यह टीका न लगवाएं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देशों से इस टीके का इस्तेमाल जारी रखने का आग्रह किया है।

यूरोपीय देशों ने बैन लगाया था

पिछले महीने मार्च में कुछ यूरोपीय देशों ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। आशंका जताई गई थी कि इस वैक्सीन को लगाने से रक्त में थक्का जम जाता है।

ओरियन अंतरिक्ष यान के क्रू कैप्सूल पर होने वाले इंपैक्ट टेस्ट श्रृंखला का प्रसारण करेगा नासा

वर्जीनिया। (एजेंसी)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि वह अपने ओरियन अंतरिक्ष यान के क्रू कैप्सूल पर होने वाले इंपैक्ट टेस्ट श्रृंखला का लाइव प्रसारण करेगा। आर्टेमिस मिशन के तहत ओरियन अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर ले जाएगा। बता दें कि आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा वर्ष 2024 में चंद्र सतह पर पहली महिला और दूसरे आदमी को वहां उतारेगा। साथ चालू दशक के अंत तक वहां पर नियमित मानव मौजूदगी भी सुनिश्चित करेगा।

नासा मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने के लिए अपने आर्टेमिस मिशन के दौरान मिले अनुभवों और प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएगी। यह परीक्षण वर्जीनिया के हैंपटन स्थित नासा के लैंगले रिसर्च सेंटर के लैंडिंग और इम्पैक्ट रिसर्च फैसिलिटी में छह अप्रैल को होगा। दर्शक इसका सीधा प्रसारण नासा टीवी, उसकी वेबसाइट और एप पर भारतीय समयानुसार सुबह 11.15 बजे देख सकेंगे। नासा ने कहा कि उसके इंजीनियर ओरियन अंतरिक्ष यान के 14 हजार पाउंड वाले टेस्ट वर्जन को हाइड्रो इंपैक्ट बेसिन में छोड़ेंगे।

115 फुट लंबा और 90 फुट चौड़ा यह एक बड़ा जलाशय है और इसमें 10 लाख गैलन पानी भरा है। इस बीच अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पर्सिवेरेंस रोवर के साथ मंगल ग्रह पर गया दो किलोग्राम वजनी इंजीन्यूटी हेलीकॉप्टर पहली कंट्रोल फ्लाइट के लिए तैयार है। इसे इसकी पहली उड़ान के लिए मंगल की सतह पर उतार दिया गया है। यह पहला अवसर होगा जब कोई हेलीकॉप्टर मंगल की सतह से उड़ेगा और कैमरे में उसका नजारा कैद करेगा।

एक हजार किलोग्राम वजनी पर्सिवेरेंस 18 फरवरी को मंगल की सतह पर उतरा था। इंजीन्यूटी अभी तक पर्सिवेरेंस से जुड़कर चार्ज हो रहा था लेकिन मंगल ग्रह के तापमान से अपने इलेक्ट्रानिक उपकरणों को सुरक्षित रखने के लिए अब वह अपने पावर सिस्टम का प्रयोग करेगा। यह पावर सिस्टम इंजीन्यूटी के आंतरिक हिस्से के तापमान को 45 डिग्री फारेनहाइट (सात डिग्री सेल्सियस) को बरकरार रखेगा। अगले कुछ दिनों में इंजीन्यूटी की टीम हेलीकॉप्टर के सोलर पैनल की जांच करेगी।

अमेरिका में मौत का दूसरा नाम बना कोरोना, अब तक 5.54 लाख से अधिक लोग मरे

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से अब तक 5.54 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 3.06 करोड़ से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबि, अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 5,54,779 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 3,06,68,826 हो गयी है।

अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 50,551 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 24,632 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 59,614 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, टेक्सास में इसके कारण 48,676 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 33,652 लोगों की जान गई है। इसके अलावा इलिनॉयस में 23,635, मिशीगन में 17,259, मैसाचुसेट्स में 17,281 जबकि पेंसिल्वेनिया में कोरोना से 25,166 लोगों की मौत हुई है। गौरतलब है कि देश में कोरोना टीकाकरण का अभियान भी बड़े पैमाने पर चल रहा है।

पाकिस्तान: हाफिज सईद के 5 सहयोगियों को 9-9 साल की कैद, लश्कर के लिए जुटाते थे चंदा

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने मुंबई हमले के सरगना हाफिज सईद के संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) के पांच नेताओं को प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा की आतंकवादी गतिविधियों के लिए चंदा जुटाने का दोषी करार देते हुए नौ-नौ साल कैद की सजा सुनाई है। सजा पाए पांच दोषियों में से तीन- उमर बहादर, नसरुल्ला और समीउल्ला- को पहली बार सजा सुनाई गई है। लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) द्वारा आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर दर्ज मामले में यह सजा सुनाई है।

वहीं दो दोषियों- जेयूडी प्रवक्ता यहाया मुजाहिद और वरिष्ठ नेता प्रोफेसर जफर इकबाल- को पहले भी आतंकवाद के वित्त पोषण मामलों में सजा सुनाई गई थी। एटीसी लाहौर के न्यायाधीश एजाज अहमद बट्टर ने शनिवार को पांच आरोपियों को नौ-नौ साल कैद की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने इसी मामले में हाफिज सईद के जीजा हाफिज अब्दुल रहमान मक्की को भी छह महीने कैद की सजा सुनाई है।

सीटीडी ने बताया, अदालत ने जेयूडी/लश्कर ए तैयबा नेताओं को आतंकवाद का वित्तपोषण करने का दोषी पाया। वे प्रतिबंधित संगठन (लश्कर ए-तैयबा) के लिए गैर कानूनी तरीके से कोष जमा कर रहे थे। अदालत ने उन संपत्तियों को भी जब्त करने का आदेश दिया है जो आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए एकत्र चंदे से बनाई गई है। जेयूडी नेताओं को भारी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया और इस दौरान मीडिया को अदालत की कार्यवाही कवर करने की अनुमति नहीं दी गई।

उल्लेखनीय है कि पंजाब सीटीडी ने जेयूडी नेताओं के खिलाफ 41 प्राथमिकी दर्ज की है जिनमें 70 वर्षीय सईद भी आरोपी है। इनमें से 37 मामलों में फैसला आ चुका है। एटीसी ने आतंकवाद के वित्तपोषण के पांच मामलों में लश्कर संस्थापक सईद को आंतकवाद निरोधक कानून 1997 की धारा-11एन तक कुल 36 साल की सजा सुनाई है। ये सजाएं साथ-साथ चलेंगी इसलिए उसे लंबे समय तक जेल में नहीं रहना होगा। इस समय उसे अन्य जेयूडी नेताओं के साथ लाहौर के कोट लखपत जेल में रखा गया है।

इंडोनेशिया: मछली पकड़ने वाली नाव और मालवाहक जहाज में भिड़ंत के बाद 17 लोग लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के तटीय जलक्षेत्र में एक मालवाहक जहाज और मछली पकड़ने वाली नौका के बीच भिड़ंत के बाद 17 लोग लापता हो गए। खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख देदेन रिदवन्स्याह ने रविवार को बताया कि इंद्रमायु जिले के तटीय जलक्षेत्र में शनिवार देर रात मछली पकड़ने वाली एक नौका इंडोनेशियाई मालवाहक जहाज 'एमवी हाब्को पायनियर से टकराने के बाद पलट गई। इस नौका में 32 लोग सवार थे। समुद्र परिवहन महानिदेशालय के प्रवक्ता ने बताया कि नौका में सवार 15 लोगों को बचा लिया गया तथा स्थानीय मछुआरे और नौसैनिक अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं। रिदवन्स्याह ने बताया कि बोर्नियो द्वीप से कच्चा तेल लेकर आ रहे मालवाहक जहाज को खड़ा कर दिया गया है क्योंकि उसका 'प्रोपेलर मछली पकड़ने वाले जाल में फंस गया।

जॉर्डन के पूर्व क्राउन प्रिंस हमजा बिन हुसैन को घर पर ही कर लिया गया नजरबंद

अम्मान। जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के सौतेले भाई हमजा ने कहा है कि वह घर में नजरबंद हैं और उन्होंने देश की ''सत्तारूढ़ व्यवस्था'' पर अक्षमता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। पश्चिम एशिया में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी जॉर्डन में सत्तारूढ़ राजशाही के भीतर कलह का यह दुर्लभ मामला है। प्रिंस हमजा का यह वीडियो संदेश शनिवार को आया। इससे पहले देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने बताया कि दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य संदिग्धों को ''सुरक्षा कारणों'' से गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने हमजा को नजरबंद करने या हिरासत में लेने से इनकार कर दिया था। बीबीसी के पास उपलब्ध एक वीडियो में पूर्व क्राउन प्रिंस ने कहा कि देश के सैन्य प्रमुख शनिवार तड़के उनके पास आए और उन्हें बताया कि उन्हें बाहर जाने, लोगों से बातचीत करने या उनसे मुलाकात करने की इजाजत नहीं है। उन्होंने बताया कि उनका फोन तथा इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

उन्होंने बताया कि वह उपग्रह इंटरनेट से बात कर रहे हैं और उन्हें इस सेवा के भी बंद होने की आशंका है। बीबीसी ने बताया कि उसे हमजा के वकील से यह बयान मिला है। हमजा ने बताया कि उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें उन बैठकों में शामिल होने की सजा दी गई, जिनमें राजा की आलोचना की गई थी। हालांकि उन पर आलोचना में शामिल होने का आरोप नहीं है। जॉर्डन में हमजा लोकप्रिय शख्सियत हैं। उन्हें एक ऐसे धार्मिक और विनम्र शख्स के तौर पर देखा जाता है जो आम लोगों से जुड़े हैं और अपने पिता दिवंगत राजा हुसैन की तरह है। उन्होंने पूर्व में सरकार की आलोचना करते हुए 2018 में एक आयकर कानून पारित करने के बाद अधिकारियों पर ''विफल प्रबंधन'' का आरोप लगाया था।

कोरोना पर हो रही थी जूम मीटिंग, ऑन कैमरा बिना कपड़ों में दिख गई नेता की पत्नी, जानें फिर क्या हुआ

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना काल में मीटिंग अथवा कॉन्फ्रेंस के लिए जूम ऐप एक अहम जरिया बनकर उभरा है। हालांकि, देश और दुनिया से ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब जूम ऐप पर वर्चुअल वीडियो मीटिंग के दौरान लोगों को अनजानी हरकतों की वजह से शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ा है। साउथ अफ्रीका से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां कोरोना संकट को लेकर जूम मीटिंग के दौरान एक अधिकारी की पत्नी उसके पीछे बिना कपड़ों के (न्यूड होकर) खड़ी हो गई और यह कैमरे में कैद हो गया।

दरअसल, डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के ईस्टर्न कैप में कोरोना वायरस से हो रही मौतों पर चर्चा करने के लिए नेशनल हाउस ऑफ ट्रेडिशनल लीडर्स के नेता जूम ऐप पर मीटिंग कर रहे थे। इस मीटिंग में नेशनल हाउस ऑफ ट्रेडिशनल लीडर्स सदस्य Xolile Ndevu भी अन्य 23 नेताओं के साथ शामिल थे। जब जूम मीटिंग में Xolile Ndevu बता रहे थे कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए ईस्टर्न कैप में कैसे स्थानीय डॉक्टरों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। तभी उनकी पत्नी पीछे से बिना किसी कपड़े के नग्न अवस्था में दिखाई देने लगीं।

जूम मीटिंग के दौरान अचानक Xolile Ndevu की पत्नी को नग्न अवस्था में देखकर मीटिंग मौजूद सदस्य झेंप गए और शर्मिंदा हो गए। कुछ सदस्य इस अप्रत्याशित दृश्य को देखकर हंसने भी लगे। इसते तुरंत बाद कमेटी की चेयरपर्सन फेत मुथांबी ने उन्हें टोका और मीटिंग को पॉज कर दिया। Faith Muthambi ने Ndevu से कहा, 'Inkosi, आपके पीछे मौजूद महिला ने सही कपड़े नहीं पहने हैं। हम सब कुछ ऑनलाइन देख रहे हैं. प्लीज, उन्हें बताओ कि आप एक मीटिंग में हो। यह सब चीजें हमें डिस्टर्ब कर रही हैं।'

हालांकि, इसके तुरंत बाद Xolile Ndevu अपने हाथों से चेहरे को ढंक लेते हैं और शर्मिंदा हो जाते हैं। वह कहते हैं, - सॉरी, मेरा ध्यान कैमरे पर था न कि पीछे। मैं काफी शर्मिंदा हूं। उन्होंने कहा कि यह जूम टेक्नोलॉजी हमारे लिए नया है और हम अभी इसे चलाना सीख रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारा घर नहीं बना है, ताकि हम मीटिंग के लिए प्राइवेसी को मेंटेन कर सके। उन्होंने कहा कि यह मीटिंग रात 10 बजे तक खत्म हो जानी चाहिए थी, क्योंकि यह सात बजे से ही चल रही थी, मगर उसके बाद भी चलती रही। उसी दौरान मेरी पत्नी बाथरूम में चली गई। उन्होंने कहा कि वह इस बात से अनजान थी कि मीटिंग अब भी चल रही है और ऐप का कैमरा ऑन है।

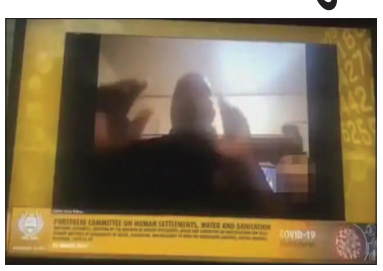

संपादकीय

बाबा सावन सिंह जी महाराज : आध्यात्मिक जागृति के मार्गदर्शक

2 अप्रैल को आध्यात्मिक जागृति के मार्गदर्शक हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज की 73वीं पुण्य तिथि के अवसर पर सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने यू-ट्यूब पर टेलीकास्ट के जरिये अपना पावन संदेष समस्त मानवजाति को दिया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने इस विशेष अवसर पर अपने संदेश में कहा कि, च्च्हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज हमें बार-बार यही समझाया करते थे कि हमारे दिलों में सभी के प्रति आदर भाव हो। चाहे कोई अमीर हो या गरीब, चाहे कोई पढ़ा लिखा हो या अनपढ़ हो, एक जाति का हो या दूसरी का। हजूर खुद प्रभु का रूप थे अर्थात वे इंसानी शरीर में चलते-फिरते खुदा थे। उन्होंने लाखों-करोड़ों लोगों को प्रभु के साथ जोड़ा, उन्हें जिंदगी का मकसद समझाया और उन्हें अपनी मंजिल तक पहुँचाया। वो हमें समझाया करते थे कि हम नम्रता, प्रेम और आदरभाव से अपनी जिंदगी गुजारें और एक ऐसी जिंदगी जियें जोकि प्रेम और शांति की बुनियाद पर आधारित हो।ज्ज

बाबा सावन सिंह जी महाराज का जन्म 27 जुलाई 1858 में ग्राम महिमासिंहवाला, जिला लुधियाना, पंजाब में हुआ। रूड़की के थॉमसन महाविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग पास करने के पश्चात वे फौज की इंजीनियरिंग सर्विस में नियुक्त हुए। उन्होंने विभिन्न धर्मग्रंथों का गूढ़ अध्ययन किया तथा छोटी उम्र से ही प्रभु-प्राप्ति की खोज में अनेकों महापुरुषों की संगत की। सन् 1894 में बाबा जयमलसिंह जी महाराज से आध्यात्मिक दीक्षा प्राप्त की और 1903 में आध्यात्मिक शिक्षा का कार्यभार संभाला। हजूर ने विभिन्न मतों के लाखों व्यक्तियों को दीक्षा देकर प्रभु की 'ज्योति व श्रुति' के साथ जोड़ा। उन्होंने धर्मग्रंथों के रूहानी मायनों को समझने पर जोर दिया। उन्होंने मानव-जाति के कल्याण हेतु आध्यात्मिक जागृति की भविष्यवाणी की। रूहानियत का यह चमकता सूर्य 2 अप्रैल, 1948 को संसार से अस्त हो गया।

हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज ने जो रूहानियत का मार्ग हमें दिखाया, उनके पश्चात परम संत कृपाल सिंह जी महाराज और संत दर्शन सिंह जी महाराज ने उसे जारी रखा और आज भी वो रूहानी कार्य सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज द्वारा हम सबका मार्गदर्शन कर रहा है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज विश्वभर में अनेक यात्राएं कर लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखा रहे हैं, जिससे कि हम अपने मनुष्य जीवन के ध्येय जोकि अपने आपको जानना व पिता-परमेश्वर को पाना है, को भी इसी जीवन में पूरा कर सकते हैं।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों व सम्मानों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्व में 3000 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

लोगों की लापरवाही और कोरोना का बढ़ता संकट

- रमेश सर्राफ धमोरा

देश में एकबार फिर कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में एकाएक भारी वृद्धि हो रही है। आम आदमी डरकर खुद को असुरक्षित महसूस करने लगा है। पिछले कुछ महीनों से कोरोना को लेकर देश में गंभीर लापरवाही भी देखी जा रही है। जिसका नतीजा है कि इन दिनों कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी होने लगी है। महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडू सहित कई प्रदेशों में तो कोरोना संक्रमण के कारण स्थिति बिगड़ने लगी है। पिछले वर्ष लॉकडाउन के दौरान लगी पाबंदियों को सरकार ने धीरे-धीरे समाप्त कर दिया था। मगर पाबंदी हटाने के उपरांत भी सरकार गाइडलाइन जारी कर लोगों को सचेत करती रहती है। सरकार लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग रखने, लगातार मास्क लगाने व एक स्थान पर निर्धारित संख्या से अधिक लोगों के एकत्रित नहीं होने की सलाह देती रही है। मगर लोग लॉकडाउन हटने के साथ ही देश को कोरोना मुक्त समझकर सरकारी निर्देशों की अवहेलना करने लगे। उसी का नतीजा आज हमें कोरोना की तीसरी लहर के रूप में देखने को मिल रहा है। देश के पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। जहां बड़ी-बड़ी जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है। बहुत से प्रदेशों में नगरीय निकाय व पंचायती राज के चुनाव संपन्न हुए हैं। वहां भी कोरोना गाइडलाइंस की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। रेल, बसों में खचाखच सवारियां भरकर सफर किया जा रहा है। बाजारों में भारी भीड़ उमड़ रही है। शादी-विवाह व अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक समारोह में बड़ी संख्या में लोग एक स्थान पर एकत्रित हो रहे हैं। जिससे कोरोना का प्रसार तेज हो रहा है। देश में आमजन को कोरोना की वैक्सीन लगाई जा रही है। मगर उसकी रफ्तार धीमी है। 16 जनवरी से देश में कोरोना वैक्सीन लगनी शुरू हुई थी। ढाई माह बीत जाने के बाद अब तकरीबन 6 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन की प्रथम डोज लग पाई है। कोरोना वैक्सीन लगाने में भी सरकार द्वारा कई तरह की बंदिशे लगाई गई हैं। अब सरकार ने 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना का टीका लगवाने के लिए इजाजत दी है। जबकि कम आयु के लोग कोरोना के बड़े स्प्रेडर हैं। उनके द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर अधिक यात्राएं की जाती है। देश में अबतक करीब 1.21 करोड़ लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। करीब 1.14 करोड़ लोग ठीक हो चुके हैं। 1.62 लाख लोगों ने जान गंवाई है। 5.48 लाख लोगों का इलाज चल रहा है। नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल का कहना है कि भारत के 18 राज्यों में नए कोरोना वायरस के 771 वैरिएंट मिले हैं। इनमें से 736 यूके वैरिएंट, 34 मामले दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट और एक मामला ब्राजीली वैरिएंट का सामने आया है। भारत सरकार का कहना है महाराष्ट्र और पंजाब चिंता का विषय हैं। इन दो राज्यों के अलावा गुजरात और मध्य प्रदेश में भी कोरोना के मामले डराने लगे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने बताया कि देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित दस जिलों में से आठ महाराष्ट्र में हैं। कोरोना वायरस की नई लहर कई मामलों में पिछले साल से भी अधिक खतरनाक नजर आ रही है। भारत में पिछले कई दिनों से हर रोज 50 हजार से अधिक कोरोना पॉजिटिव के मामले सामने आ रहें है। पिछले साल जब कोरोना वायरस का संक्रमण शुरू हुआ था तब देश में लॉकडाउन लगा दिया गया था। जिससे कोरोना संक्रमण पर काफी हद तक काबू पाया गया था। मगर जैसे-जैसे देश अनलाक होता गया देश में कोरोना केस की रफ्तार भी बढ़ती गई। सितंबर-अक्टूबर 2020 में भारत में 18 हजार से 50 हजार एक्टिव मामले 32 दिन में पहुंचे थे। लेकिन इसबार 11 मार्च से 27 मार्च के बीच यह आंकड़ा पहुंच गया जो बहुत डरावना है। पहले की तरह इसबार भी सबसे अधिक कोरोना का संक्रमण महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में पिछले साल जहां 11 हजार से 22 हजार केस पहुंचने में 31 दिन लगे थे। इसबार यह आंकड़ा सिर्फ 9 दिनों में ही पार हो गया। मुंबई शहर तो कोरोना का घातक शिकार बना हुआ है। महाराष्ट्र जैसा हाल ही गुजरात का है। जहां बीते एक हफ्ते से हर रोज 1500 से अधिक कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। पंजाब में भी हर रोज 2500 से ज्यादा कोरोना पॉजिटिव के केस आ रहे हैं। पंजाब में कोरोना के यूके वैरियंट के सबसे अधिक केस चिंता की बात है। महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, पंजाब, कर्नाटक में मौजूदा केस का 70 फीसदी से अधिक हिस्सा है। इन प्रदेशों में हर दिन कोरोना की रफ्तार और तेज हो रही है। सिर्फ कोरोना के केस ही नहीं बल्कि इनसे होने वाली मौतों में हो रही बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ा रही है। दिसंबर के बाद मार्च महीने में पहली बार मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते से देश में हर दिन 200 से अधिक मौतें हो रही है। यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। भारत में कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट मिला है जिसे डबल म्युटेंट का नाम दिया जा रहा है। यह महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्य में पाया जा रहा है। जिसकी वजह से कोरोना के नए मामले और मृत्यु की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है। इस साल 24 मार्च को केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र और पंजाब में कोरोना वायरस के नए मामले आने को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कोरोना के नए डबल म्यूटेंट वेरिएंट को दिल्ली, महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में पाया गया है। जो पहले ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ब्राजील में मिला था। देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में यह वायरस पाया गया है। देश के 18 राज्यों के 10,787 सैंपल में कुल 771 वेरिएंट मिले हैं। इनमें 736 यूके, 34 साउथ अफ्रीकन और एक ब्राजीलियन है। जिन राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं, वहां अलग म्यूटेशन प्रोफाइल का पता चला है। देश में पिछले छह-आठ महीने में सबसे ज्यादा फैलने वाले कोविड वेरिएंट में नए वेरिएंट शामिल हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी स्थिति बद से बदतर हो रही है। कुछ राज्यों के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है। केंद्र सरकार ने कहा कि पूरा देश जोखिम में है और किसी को भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण का कहना है कि जिन दस जिलों में सर्वाधिक उपचाराधीन मामले हैं। उनमें पुणे, मुंबई, नागपुर, ठाणे, नासिक, औरंगाबाद, बेंगलुरु नगरीय, नांदेड़, दिल्ली और अहमदनगर शामिल हैं। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल का कहना है कि कोविड-19 संबंधी स्थिति बद से बदतर हो रही है। पिछले कुछ सप्ताह में खासकर कुछ राज्यों में यह एक बड़ी चिंता विषय है। किसी भी राज्य या जिले को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा हम काफी अधिक गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। पूरा देश जोखिम में है। इसलिए इसे रोकने और जीवन बचाने के सभी प्रयास किए जाने चाहिए। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के ट्वीट

भीख

बंगाल में उल्टी गिनती शुरू हो गई है। 02 मई को जब बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो TMC के गुंडे उसी प्रकार से जान की भीख मांगते हुए दिखाई देंगे जैसे उत्तर प्रदेश के अंदर माफिया और गुंडे आज मांग रहे हैं। -- योगी आदित्यनाथ

ज्ञान गंगा

परिवार से लगाव

सद्गुरु

मैंने कभी यह नहीं कहा कि आप अपने संबंधों के धागे काट दीजिए। यह बेहद अफसोस की बात है कि फिलहाल आपके संबंधों के धागे बहुत कम लोगों से जुड़े हैं। इनका विस्तार कीजिए। इन धागों को आप कुछ लोगों से जोड़ने के बजाय धरती पर मौजूद हर प्राणी से जोड़ने की कोशिश कीजिए। आखिर आप अपने धागे को काटना क्यों चाहते हैं? धागों को काटने की तो कोई वजह ही नहीं है। देखिए 'जुड़ने' और 'उलझने' में फर्क है। जीवन को जानने का सिर्फ एक ही तरीका है- जीवन से जुड़ना। यह बात केवल आध्यात्मिकता से जुड़ी नहीं है। अगर आप जुड़ाव नहीं रखेंगे, तो क्या जीवन में कभी किसी भी चीज के बारे में जान पाएंगे? आज कल लोगों में जुड़ाव की कमी दिखती है। जब आप जुड़ने में भेदभाव करते हैं, तो यह उलझन बन जाता है। आप बिना किसी भेदभाव के जुड़ें। आप जिस धरती पर चलते हैं, आप जो भोजन करते हैं, आप जो पानी पीते हैं, आप जिस हवा में सांस लेते हैं और उस स्थान में जहां आप रहते हैं, कोशिश कीजिए कि आप इन सारी चीजों से पूरी तरह जुड़ सकें। हालांकि इन चीजों से तो आप अभी भी जुड़े हुए हैं, लेकिन फिलहाल आपका यह जुड़ाव अचेतन है। अगर आप उस हवा से जुड़ाव नहीं रखेंगे, जिसमें आप सांस लेते हैं तो आप मर जाएंगे। आपको बस जुड़ाव को लेकर सचेतन होना है। अगर आप किसी चीज से अचेतन रूप से जुड़ते हैं तो यह एक बड़ा बोझ लगता है, लेकिन अगर आप सचेतन रूप से किसी चीज से जुड़े हुए हैं, तो यही अनुभव एक आनंदमय अनुभव बन जाता है। आज हमारे पास वैज्ञानिक प्रमाण है कि आपके शरीर के परमाणु का हर कण इस पूरे ब्रह्मांड के साथ संपर्क बनाए हुए है। इसे नजरअंदाज करके आप उस विशाल शक्ति को अनदेखा करने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपके जीवन और इस सृष्टि का आधार है। अपने परिवार से जुड़ना, आपकी पीड़ा का कारण नहीं है, बल्कि पीड़ा का कारण जीवन को अनदेखा करना है। जीवन का अनुभव केवल जीवन से जुड़कर ही किया सकता है। जितनी मजबूती से आप जीवन से जुड़ेंगे, जीवन को लेकर होने वाले अनुभव भी उतने ही प्रबल होंगे। अपने जुड़ाव को लेकर आपके भीतर डर इसलिए आया, क्योंकि पिछली बार आपका जुड़ाव जहां हुआ था, वहां से आपको चोट मिली।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

ऐसी देशभक्ति पर कौन न निसार होगा

सिलू नायक युवा प्रशिक्षक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में 'नायक सर' को सराहा, तो पूरे देश में सिलू नायक मशहूर हो गए। सैकड़ों नौजवानों और उनके हजारों परिजनों की निगाह में सम्मान तो वह पहले ही कमा चुके थे। ओडिशा के अराखुड़ा में पैदा सिलू नायक की बचपन से ही हसरत थी कि वह वरदी पहन मातृभूमि की सेवा करें और अपने समाज के काम आएं। देश के लोगों में सैनिकों के प्रति जो सम्मान-भाव है, वह नायक को प्रेरित करता रहा और वह उस सेवा में जाने के लिए खुद को शारीरिक-मानसिक रूप से तैयार करने में जुट गए। साल 2016 में वह वक्त भी आया, जिसका उन्हें वर्षों से इंतजार था। गांव में ही ओडिशा पुलिस का भर्ती-शिविर लगने वाला था। नायक के लिए यह सुनहरा मौका था। वह अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते थे। उन्होंने चयन प्रक्रिया से जुड़ी सारी शारीरिक गतिविधियां भी बढ़ा दीं। मगर सबको अपना मनचाहा कहां मिलता है? एक सेंटीमीटर के फासले ने नायक से वर्षों के सपने छीन लिए। उनकी ऊंचाई 168 सेंटीमीटर थी, जबकि चयन की कसौटी 169 सेंटीमीटर की थी। नायक भर्ती के अयोग्य करार दिए गए। हालांकि, उन्हें ओडिशा इंडस्ट्रीयल सिक्युरिटी फोर्सेज (ओआईएसएफ) में नौकरी का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन 7,200 रुपये मासिक पगार में वह अपनी और समाज की क्या भलाई कर पाते, इसलिए उन्होंने विनम्रतापूर्वक उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

पिछले पांच साल की कोशिश नाकाम हो गई थी। सारे सपने रेजा-रेजा बिखर गए थे। इस निराशा से उबरने में नायक को लगभग तीन महीने लग गए। मन स्थिर हुआ, तो सोचा कि मातृभूमि और समाज की सेवा के और भी तो रास्ते हैं, क्यों न अब उन पर गौर किया जाए। नायक को लगा कि इन वर्षों में जो कौशल उन्होंने सीखा है, उसके जरिए ही वह कुछ कर सकते हैं। फिर उन्होंने तय किया कि वह इलाके के उन लड़कों का मार्गदर्शन करेंगे, जो सेना या सुरक्षाबलों में प्रवेश की तैयारी कर रहे हैं। नायक ने गांव के कुछ लड़कों के साथ शुरुआत की। लेकिन जल्द ही उन्हें यह एहसास हो गया कि यह काम आसान नहीं है। गांव के ही कुछ विघ्न संतोषियों ने उनकी इस कोशिश को पैसे कमाने की मंशा से जोड़ना शुरू कर दिया। वे बच्चों को भड़काते कि नायक तुम लोगों से बाद में इसके पैसे वसूलेगा। कुछ लोग इसे संदिग्ध गतिविधि तक से जोड़ देते। नायक को दुख होता, क्योंकि वह तो अपनी देशभक्ति इन नौजवानों के जरिए जीना चाहते थे और समाज सेवा के तौर पर यह सब कर रहे थे। आज भी उनका न कोई एनजीओ है, न उन्होंने किसी सरकारी मदद के लिए आवेदन किया और न ही वह छात्रों से कुछ लेते हैं। बहरहाल, नायक यह जानते थे कि उनके इरादों में कोई खोट नहीं है, तो दुष्प्रचार भी खुद-ब-खुद दम तोड़ देंगे। वह अपने मिशन में जुटे रहे। शुरू-शुरू में नौजवानों का भी भरोसा बहुत नहीं जमता था। चंद रोज में ही वे नायक का साथ छोड़ देते। उन्हें प्रेरित करने के लिए नायक को काफी मेहनत करनी पड़ी। वह छात्रों से यही कहते कि फर्क महसूस करने के लिए कम से कम 20 दिन की ट्रेनिंग तो लो। नायक की मेहनत रंग ले आई। गांव के जिन बच्चों के साथ उन्होंने यह नया सफर शुरू किया था, उनमें से चार का चयन रक्षा क्षेत्र के लिए हुआ। इसके साथ ही कटाक्ष और आलोचनाओं का गुबार बैठ गया। उनके पास पड़ोसी गांवों से भी बड़ी संख्या में युवा आने शुरू हो गए। जाहिर है, वे सब आर्थिक रूप से कमजोर घरों के बच्चे होते थे। उनमें जिंदगी को एक मकसद देने की तड़प तो थी, मगर उनके पास रास्ता दिखाने वाला कोई नायक न था। अक्सर वे हताशा में बिखर जाते और राह भटक जाते थे। अब सिलू नायक उनके पास थे। नायक इन युवकों को सिर्फ शारीरिक प्रशिक्षण नहीं देते थे, बल्कि जिन बच्चों को गणित और 'करेंट अफेयर्स' में परेशानी आती थी, उनकी आसानी के लिए इन्होंने एक पाठ्यक्रम तैयार किया। उनकी ट्रेनिंग का पहला सत्र सुबह 5.30 बजे से शुरू होता है, जो दो घंटे का होता है और यह शारीरिक प्रशिक्षण से जुड़ा हुआ है। शाम के सत्र में वह लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं की बारीकियां समझाते हैं। उम्र के 29वें पड़ाव पर खड़े नायक ने अब तक 300 से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण दिया और उनमें से 70 कामयाब भी हो चुके हैं। करीब 20 तो देश की सर्वोच्च सेनाओं- थल सेना, वायु सेना और नौसेना- के लिए चयनित हुए हैं, तो बाकी बीएसएफ, सीआरपीएफ व अन्य अर्द्ध सैन्य बलों में चुने गए हैं। सिलू नायक का घर पिता की खेती और खुद की पार्ट टाइम ड्राइवरी से चलता है। उन्हें अब कोई मलाल नहीं कि वह स्वयं चुने न जा सके। उन्होंने मातृभूमि की सेवा के लिए कई नायक दे दिए हैं। देश गदगद है ऐसे सपूत पर, तभी तो प्रधानमंत्री ने कहा- 'आइए, हम सब मिलकर नायक सर को शुभकामना दें कि वह देश के लिए और अधिक नायकों को तैयार करें।'

प्रस्तुति :- चंद्रकांत सिंह

यह चमत्कारी टोटका करने से हनुमानजी की कृपा होगी आपके ऊपर

यह बात हम सभी जानते है कि मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। रामभक्त हनुमान जी इस कलयुग में भी सबसे सक्रिय देवताओं में से एक है। कहा जाता है कि हनुमान जी की आराधना सभी भक्तों के हर संकट को हर लेती है और उनकी समस्या दूर हो जाती है। मान्यता है कि अगर जातक मंगलवार को पीपल की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है वहीं बजंरगबली आपको मालामाल कर देते है।

यदि आप अपने जीवन में धन की कमी, दरिद्रता को लेकर परेशान है तो चालीस दिनों तक किया जाने वाला यह उपाय आपको आपकी सभी परेशानी से हमेशा के लिए मुक्ति दिला देगा। जातक को रोजाना शाम के वक्त हनुमान जी के मंदिर में जाकर सरसों के तेल का दीया जलाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन दीया जलाने के बाद सिंदूर तिलक जरूर लगाएं। 40 दिनों तक रोजाना इस उपाय को करने के बाद आपकी हर मनोकामना पूरी हो जाएगी और पैसे की तंगी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

हनुमान जी को खुश करके पाएं मनचाहा फल

अगर आप अपनी सभी इच्छाएं जल्द पूरा करना चाहते हैं तो पीपल के पत?तों का चमत्कारी उपाय करें। शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर किसी पीपल के पेड़ से 11 पत्ते तोड़ लाएं। इसके बाद सभी पत्तों को साफ पानी से धो लें। फिर कुमकुम, अष्टगंध और चंदन मिलाकर इन पत्तों पर श्रीराम का नाम लिखें। नाम लिखते वक्त हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करें इसके बाद श्रीराम लिखे हुए इन पत्तों की एक माला तैयार करें। तैयार पीपल के पत्तों की माला को किसी भी हनुमानजी के मंदिर में जाकर उनकी प्रतिमा को अर्पित करें। जातक यह उपाय हर मंगलवार और शनिवार को करते रहें। कुछ वक्त बाद आपको अच्छे परिणाम दिखने लगेंगे।

सरसों के तेल का मिट्टी का दीपक जलाएं

जातक धन और सम्पदा प्राप्त करने के लिए रोजाना रात्रि में सोने से पूर्व हनुमान जी के सामने सरसों के तेल का मिट्टी का दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमानजी का तस्वीर घर में पवित्र स्थान पर इस प्रकार से लगाएं कि हनुमान जी दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए दिखाई दें। यह उपाय प्रत्येक मंगलवार या शनिवार को सिंदूर एवं चमेली का तेल हनुमानजी को अर्पित करें।

लौंग खोल सकती है आपकी किस्मत के बंद दरवाजे

हिन्दु धर्म में मंगलवार का दिन हनुमानजी को समर्पित होता है। हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए जातक कई उपाय करते है। धन प्राप्ति व अन्य समस्याओं के लिए कई उपाय बताए जाते हैं। मगर ज्योतिषियों के अनुसार केवल लौंग के जोडों के खास टोटके किए जाएं तो आपकी किस्मत के बंद दरवाजे भी खुल सकते हैं।

बता दें कि किसी भी जरूरी काम की शुरूआत में एक नींबू लें उसमें 4 लौंग गाड़ दें और ऊँ श्री हनुमते नमः मंत्र का 21 बार जाप करके उस नींबू को घुमाकर पश्चिम दिशा की तरफ श्रीराम का नाम लेते हुए फेंक दें। यदि ज्यादातर आपके घर झगडे होते हों या नकारात्मकता ज्यादा हावी रहती हो तो जातक सुबह देसी कपूर के साथ एक जोड़ी लौंग नियमित जलाए तो लाभ मिलता है। किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए घर में दाई ओर मुडी हुई सूंड के गणेशजी का चित्र लगाएं, इसके आगे लौंग तथा सुपारी रखें और इसकी पूजा करें। काम पर जाते समय उसमें से एक लौंग को अपने साथ ले जाएं। आपका काम कभी रुक नहीं पाएगा। आकस्मिक धन लाभ और रुका हुआ पैसा पाने के लिए कच्ची घानी के तेल में दो लौंग डालकर हनुमानजी की पूजा करें आपको ना केवल जबरदस्त धनलाभ होगा बल्कि आत्मविश्वास में भी बढोतरी होगी।

सूर्य को अर्घ्य देते समय रखें इन बातों का खासकर ध्यान

यह बात हम सभी जानते है उगते हुए सूर्य को जल चढ़ाने की परंपरा कई सदियों से चली आ रही है। यह हम अपने घर में भी बचपन से देखते आ रहे है कि दादी, नानी हर सुबह उगते हुए सूर्य को जल जरूर देती हैं। कहते हैं, सूर्य को जल चढ़ाने से कई तरह के लाभ होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, सुबह के समय सूर्य को अर्घ्य देते कुछ ऐसी बातें हैं जिनका खास ध्यान रखना होता है। क्योंकि अगर सूर्य को अर्घ्य देते हुए ये गलतियां हो जाती हैं तो भगवान प्रसन्न होने के बजाय क्रोधित हो जाते हैं। सूर्य को शांति व शालीनता प्रदान करने का प्रतीक माना गया है। इसलिए सूर्य को जल चढ़ाते हुए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि जरा सी भी गलती भगवान को नाराज कर सकती है। हर रोज सूर्य को जल चढ़ाने के क्या फायदें हैं, आइए जानते है।

सूर्यदेव को जल चढ़ाने के लिए हर रोज सुबह उठकर स्नान के बाद तांबे के लोटे में जलभर कर, उसमें कुमकुम और चावल मिलाकर सूर्यदेव को जल देना चाहिए। ध्यान रखें यह जल किसी के पैर पर न लगे। सूर्य को जल देते समय ओम सूर्याय नमः का जाप करने से बहुत लाभ होता है। ऐसा करने से सूर्यदेव आपकी सारी समस्याओं को खत्म कर देते हैं। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर हो उन्हें हर रोज सूर्य को जल देना चाहिए। इससे उनका आत्म विश्वास मजबूत होता है। सूर्य को जल देने से समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होती है। सूर्य को जल देते समय अपना मुख पूर्व दिशा की तरफ रखें।

गुणों से संपन्न होता है हीरा

खूबसूरत और बेशकीमती रत्न है। जो हीरा हल्के रंग की नीलिमा लिए श्वेत वर्ण का या नीली या लाल किरण निःसारित करते हुए सफेद वर्ण का हो या काले बिन्दुओं से मुक्त हो, वह उत्कृष्ट होता है। साथ ही इसमें चिकनापन, सुंदर चमक, अंधेरे में जुगनू की तरह चमकने वाला, सुंदर कठोर व अच्छे वर्णयुक्त हो वह श्रेष्ठ हीरा है, इस तरह असली उत्कृष्ट हीरे की पहचान की जाती है। हीरे के आठ विशेष गुण :

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार हीरा पानी पर तैरता है, इसलिए इसका नाम वारितर भी रखा गया है।

हीरा बिजली का कुचालक होता है, अतः हाथ में हीरे की अंगूठी पहनने पर बिजली के झटके का प्रभाव नहीं पड़ता है।

हीरे की चमक स्थायी व ताप में शीतल होती है।

उन्नतोदर ताल द्वारा सूर्य की किरणें एकत्रित कर हीरे पर डालने पर जल जाता है।

हीरे को अत्यधिक गर्म करने पर रंग हल्का हो जाता है, परंतु शीतल होने पर रंग पुनः पूर्ववत हो जाता है।

अंधकार में अच्छे हीरे के प्रकाश में पढ़ा जा सकता है।

हीरा कठोर होते हुए भी भंगुर है तथा हाथ से नीचे गिरने पर टूट जाता है।

हीरा सबसे अधिक कठोर होता है, जिससे किसी भी वस्तु से हीरे पर रगड़ या खरोंच का निशान या रगड़ने का भी निशान नहीं पड़ता।

श्रीकृष्ण ने कब बांसुरी बजाना सीखा और कब बजाना छोड़ दिया

ढोल मृदंग, झांझ, मंजीरा, ढप, नगाड़ा, पखावज और एकतारा में सबसे प्रिय बांस निर्मित बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को अतिप्रिय है। इसे वंसी, वेणु, वंशिका और मुरली भी कहते हैं। बांसुरी से निकलने वाला स्वर मन-मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है। जिस घर में बांसुरी रखी होती है वहां के लोगों में परस्पर तो बना रहता है साथ ही सुख-समृद्धि भी बनी रहती है। आओ जानते हैं कि श्रीकृष्ण कब पहली बार बांसुरी बजाई और कब बजना छोड़ दिया और फिर अंतिम बार कब बजाई।

धनवा नाम का एक बंसी बेचने वाला श्रीकृष्ण को बांसुरी देता है तो वे उस पर पहली बार मधुर धुन छोड़ते हैं जिससे वह बंसी बेचने वाला मंत्रमुग्ध हो जाता है। उसी समय से श्रीकृष्ण बांसुरी बजने वाले बन जाते हैं। उनकी बांसुरी की धुन पर गोपिकाएं और पूरा गोकुल बेसुध हो जाता था। श्रीकृष्ण ने पहली ही बार ऐसी बांसुरी बजाई की सभी को ऐसा लगा जैसे यह बजाना कई जन्मों से सीख रखा है।

11 वर्ष की अवस्था में श्रीकृष्ण मथुरा चले गए थे और वहां उन्होंने कंस का वध कर दिया जिसके चलते मगध और भारत का सबसे शक्तिशाली सम्राट उनकी जान का दुश्मन बन गया, क्योंकि कंस उसका दामाद था। श्रीकृष्ण जब राधा और गोपियों को छोड़कर जा रहे थे तब उस रात महारास हुआ और उसमें उन्होंने ऐसी बांसुरी बजाई थी कि सभी गोपिकाएं बेसुध हो गई थी। कहते हैं कि इसके बाद श्रीकृष्ण ने राधा को वह बांसुरी भेंट कर दी थी और राधा ने भी निशानी के तौर पर उन्हें अपने आंगन में गिरा मोर पंख उनके सिर पर बांध दिया था।

मथुरा जाने के बाद राधा और कृष्ण का कभी मिलन नहीं हुआ। हां, उधव श्रीकृष्ण का संदेश जरूर ले गए थे। कहते हैं कि इसके बाद राधा और श्रीकृष्ण की अंतिम मुलाकात द्वारिका में हुई थी। सारे कर्तव्यों से मुक्त होने के बाद राधा आखिरी बार अपने प्रियतम कृष्ण से मिलने गईं। जब वे द्वारका पहुंचीं तो उन्होंने कृष्ण के महल और उनकी 8 पत्नियों को देखा। जब कृष्ण ने राधा को देखा तो वे बहुत प्रसन्न हुए। तब राधा के अनुरोध पर कृष्ण ने उन्हें महल में एक देविका के पद पर नियुक्त कर दिया।

कहते हैं कि वहीं पर राधा महल से जुड़े कार्य देखती थीं और मौका मिलते ही वे कृष्ण के दर्शन कर लेती थीं। एक दिन उदास होकर राधा ने महल से दूर जाना तय किया। कहते हैं कि राधा एक जंगल के गांव में में रहने लगीं। धीरे-धीरे समय बीता और राधा बिलकुल अकेली और कमजोर हो गईं। उस वक्त उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की याद सताने लगी। आखिरी समय में भगवान श्रीकृष्ण उनके सामने आ गए। भगवान श्रीकृष्ण ने राधा से कहा कि वे उनसे कुछ मांग लें, लेकिन राधा ने मना कर दिया। कृष्ण के दोबारा अनुरोध करने पर राधा ने कहा कि वे आखिरी बार उन्हें बांसुरी बजाते देखना और सुनना चाहती हैं। श्रीकृष्ण ने बांसुरी ली और बेहद सुरीली धुन में बजाने लगे। श्रीकृष्ण ने दिन-रात बांसुरी बजाई। बांसुरी की धुन सुनते-सुनते एक दिन राधा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया।

माघ मास में पवित्र नदी में स्नान करने का कई गुना फल

हर वर्ष माघ माह में हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन, नासिक आदि जगहों पर पवित्र नदी में स्नान करने का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस बार माघ माह में हरिद्वार में कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। ऐसे में पवित्र नदी में स्नान का महत्व कई गुना है। पूस एवं माघ माह की पूर्णिमा को नदी किनारे कल्पवास करने का विधान भी है। कल्पवास का अर्थ होता है संगम के तट पर निवास कर वेदाध्ययन, व्रत, संत्संग और ध्यान करना। कल्पवास पौष माह के 11वें दिन से माघ माह के 12वें दिन तक रहता है। कुछ लोग माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करते हैं। महाभारत के एक दृष्टांत में उल्लेख है कि माघ माह के दिनों में अनेक तीर्थों का समागम होता है। वहीं पद्मपुराण में बताया गया है कि अन्य मास में जप, तप और दान से भगवान विष्णु उतने प्रसन्न नहीं होते जितने कि माघ मास में नदी तथा तीर्थस्थलों पर स्नान करने से होते हैं। यही वजह है कि प्राचीन पुराणों में भगवान नारायण को पाने का सुगम मार्ग माघ मास के पुण्य स्नान को बताया गया है। माघ मास में खिचड़ी, घृत, नमक, हल्दी, गुड़, तिल का दान करने से महाफल प्राप्त होता है। निर्णय सिंधु में कहा गया है कि माघ मास के दौरान मनुष्य को कम से कम एक बार पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। भले पूरे माह स्नान के योग न बन सकें लेकिन एक दिन के स्नान से श्रद्धालु स्वर्ग लोक का उत्तराधिकारी बन सकता है। पुराणों के अनुसार पौष मास की पूर्णिमा से माघ मास की पूर्णिमा तक माघ मास में पवित्र नदी नर्मदा, गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी सहित अन्य जीवनदायिनी नदियों में स्नान करने से मनुष्य को समस्त पापों से छुटकारा मिलता है और मोक्ष का मार्ग खुल जाता है। मत्स्य पुराण के एक कथन के अनुसार माघ मास की पूर्णिमा में जो व्यक्ति ब्राह्मण को ब्रह्मावैवर्तपुराण का दान करता है, उसे ब्रह्म लोक की प्राप्ति होती है। सदियों से माघ माह की विशेषता को लेकर भारत वर्ष में नर्मदा, गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी सहित कई पवित्र नदियों के तट पर माघ मेला भी लगता हैं। माना जाता है कि माघ मास में पवित्र नदियों में स्नान करने से एक विशेष ऊर्जा की प्राप्ति होती है। वहीं पुराणों में वर्णित है कि इस माह में पूजन-अर्चन व स्नान करने से नारायण को प्राप्त किया जा सकता है तथा स्वर्ग की प्राप्ति का मार्ग भी खुलता है। जिस प्रकार माघ मास में तीर्थ स्नान का बहुत महत्व है, उसी प्रकार दान का भी विशेष महत्व है। इन माह में दान में तिल, गुड़ और कंबल या ऊनी वस्त्र दान देने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

भारत के साथ व्यापार शुरू होने पर पाकिस्तान को मिल सकती है सस्ती चीनी, जल्दी होगी आपूर्ति

नई दिल्ली:

चीनी उद्योग के एक संगठन ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान यदि भारत के साथ व्यापार शुरू कर दे तो उसे सस्ती चीनी मिल सकती है और आगामी रमजान के महीने से पहले वहां कीमतों पर काबू पाया जा सकता है। भारत से आयात करने पर पाकिस्तान को जल्दी चीनी मिल सकती है, जो चीनी की भारी कमी से जूझ रहा है। पाकिस्तान में उत्पादन में कमी के चलते चीनी की खुदरा कीमत 100 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। पाकिस्तान आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने सरकार से उपलब्धता बढ़ाने के लिए 5 लाख टन सफेद चीनी के आयात की अनुमति देने की सिफारिश की है। पिछले हफ्ते, दोनों देशों के बीच व्यापार फिर से खुलने की उम्मीद जगी थी। हालांकि, भारत से चीनी और कपास के आयात की अनुमति देने के पाकिस्तान ईसीसी के फैसले को पाकिस्तान के मंत्रिमंडल ने रोक दिया। पाकिस्तानी व्यापारियों के अनुसार पड़ोसी देश में 2020-21 के विपणन वर्ष (अक्टूबर-सितंबर) में 56 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद है, जबकि मांग के मुकाबले पांच लाख टन की कमी हो सकती है। अखिल भारतीय चीनी व्यापारी संघ (एआईएसटीए) के अध्यक्ष प्रफुल्ल विठलानी ने कहा कि भारत, पाकिस्तान की चीनी की कमी को आसानी से पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा, ''यदि व्यापार फिर से शुरू हुआ तो इसमें दोनों देशों का फायदा है। मैं कहना चाहता हूं कि मानव उपभोग की आवश्यक वस्तुओं को राजनीति से दूर रखना चाहिए।%% उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में पंजाब के रास्ते सड़क मार्ग से

सफेद चीनी 398 डॉलर प्रति टर की दर से (भाड़ा सहित) पहुंचाई जा सकती है और यह दर समुद्र मार्ग से दूसरे देशों से आने वाली चीनी के मुकाबले 25 डॉलर प्रति टन सस्ती है। उन्होंने कहा कि ब्राजील से पाकिस्तान तक चीनी पहुंचाने में 45-60 दिनों का समय लगता है, जबकि भारत से चार दिनों में वहां चीनी पहुंचाई जा सकती है।

रोड साइड मैकेनिक्स के लिए खुशखबरी, 20 हजार मैकेनिक्स को ट्रेनिंग देगी हीरो इलेक्ट्रिक

बिजनेस डेस्क: देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक अगले तीन साल के दौरान सड़क किनारे बैठने वाले 20,000 मैकेनिक्स को इलेक्ट्रिक वाहनों को ठीक करने का प्रशिक्षण देगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इससे उपभोक्ताओं में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने को लेकर भरोसा कायम करने में मदद मिलेगी।

4,000 मैकेनिक्स को दे चुकी है ट्रेनिंग

गुरुग्राम की कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में 53,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया बेचे हैं। इसके अलावा कंपनी का इरादा अगले दो साल के दौरान करीब 20,000 चार्जिंग स्टेशन लगाने का भी है। कंपनी पहले ही 4,000 मैकेनिक्स को प्रशिक्षण दे चुकी है। साथ ही आज की तारीख तक कंपनी ने 1,500 के करीब चार्जिंग स्टेशन लगाए हैं।

चार्जिंग स्टेशन पर दिया जा रहा है ध्यान

हीरो इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा, ''देश में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ने को तैयार है। ऐसे में कंपनी विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है।'' मुंजाल ने बताया कि देश में कंपनी के 600 डीलर और सब-डीलर हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने सड़क के आसपास बैठने वाले 4,000 मैकेनिक प्रशिक्षित किए हैं। 2023 तक या 2024 की शुरुआत तक हमारा इरादा इसे 20,000 करने का है। मुंजाल ने कहा कि इसके अलावा कंपनी चार्जिंग ढांचे पर भी ध्यान दे रही है। अभी तक कंपनी ने 1,500 चार्जिंग स्टेशन लगाए हैं। कंपनी का इरादा इसे 20,000 करने का है। उन्होंने कहा कि हम बहुस्तरीय रुख अपना रहे हैं, जिससे ग्राहकों को भरोसा दिया जा सके।

एक लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया बेचने का लक्ष्य

कारोबारी योजना के बारे में मुंजाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी का एक लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया बेचने का लक्ष्य है। बीते वित्त वर्ष की तुलना में यह लगभग दोगुना है।

मार्च में म्यूचुअल फंड इकाइयों ने शेयरों में 2,476 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली:

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने मार्च में शेयरों में 2,476 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह 10 माह में पहली बार म्यूचुअल फंड द्वारा शेयरों में शुद्ध निवेश किया गया है। शेयर बाजारों में एकीकरण की वजह से कोष प्रबंधकों को निवेश का अवसर मिला है। इन्वेस्ट19 के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशेन्द्र सिंह सेंगर ने कहा कि निकट भविष्य में शेयरों में म्यूचुअल फंड निवेश स्थिर रहेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार मार्च से पहले जून, 2020 से म्यूचुअल फंड शेयरों से लगातार निकासी कर रहे थे। माईवेल्थग्रोथ के सह-संस्थापक हर्षद चेतनवाला ने कहा, ''मार्च में बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रहा। एक समय बाजार माह की शुरुआत से चार से पांच प्रतिशत नीचे था। यदि हम पिछली कुछ तिमाहियों को देखें, तो बाजार लगातार चढ़ा है जिसकी वजह से निवेशकों ने मुनाफा काटा है।'' ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि म्यूचुअल फंड से निकासी का दबाव कम हो रहा है।

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बावजूद बाजार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आई है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड ने मार्च में शेयरों में 2,476.5 करोड़ रुपए डाले। इससे पहले फरवरी में म्यूचुअल फंड ने शेयरों से 16,306 करोड़ रुपए तथा जनवरी में 13,032 करोड़ रुपए की निकासी की थी। दिसंबर में उन्होंने शेयरों से 26,428 करोड़ रुपए, नवंबर में 30,760 करोड़ रुपए, अक्टूबर में 14,492 करोड़ रुपए, सितंबर में 4,134 करोड़ रुपए, अगस्त में 9,213 करोड़ रुपए, जुलाई में 9,195 करोड़ रुपए और जून में 612 करोड़ रुपए निकाले थे।

Loan moratorium: सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सरकारी बैंकों को हो सकता है 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान

बिजनेस डेस्क:

उच्चतम न्यायालय ने हाल में कोविड-19 महामारी की वजह से मार्च-अगस्त, 2020 के दौरान कर्ज की किस्त के भुगतान पर छूट की अवधि के लिए सभी ऋण खातों पर चक्रवृद्धि ब्याज यानी ब्याज पर ब्याज को माफ कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष अदालत के इस फैसले से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 1,800 से 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सरकार पर पड़ा 5,500 करोड़ रुपए का बोझ

न्यायालय ने अपने फैसले के तहत 2 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण पर चक्रवृद्धि ब्याज में छूट दी है। इस राशि से कम के कर्ज पर पिछले साल नवंबर में ब्याज पर ब्याज को माफ किया गया था। किस्त के भुगतान पर छूट के दौरान चक्रवृद्धि ब्याज समर्थन योजना से सरकार पर 2020-21 में 5,500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ा है। बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि शुरुआत में 60 प्रतिशत कर्जदारों ने इस छूट का लाभ उठाया था लेकिन लॉकडाउन में छूट के बाद यह आंकड़ा 40 प्रतिशत और उससे भी नीचे आ गया था। कॉरपोरेट के मामले में जहां तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सवाल है, यह आंकड़ा 25 प्रतिशत के निचले स्तर पर है। सूत्रों ने बताया कि बैंक किस्त के भुगतान की छूट की अवधि पर चक्रवृद्धि ब्याज में छूट देंगे। उदाहरण के लिए यदि किसी ग्राहक ने तीन महीने के लिए किस्त भुगतान की छूट ली है, तो तीन महीने के लिए उसका चक्रवृद्धि ब्याज माफ किया जाएगा। रिजर्व बैंक ने पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से सभी मियादी ऋण पर एक मार्च से 31 मई, 2020 तक की किस्तों के भुगतान पर छूट दी थी। बाद में इस अवधि को बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया गया था।

IBA ने सरकार को लिखा पत्र

सूत्रों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश सिर्फ उन खातों तक सीमित है जिन्होंने भुगतान की छूट का लाभ लिया है।

ऐसे में मोटे अनुमान के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 2,000 करोड़ रुपए से कम की चोट लगेगी। इस बीच, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने सरकार को पत्र लिखकर बैंकों को ब्याज पर ब्याज छूट की भरपाई करने को कहा है। सरकार विभिन्न पहलुओं पर विचार के बाद इस पर फैसला करेगी।

आर्थिक आंकड़ों और RBI के फैसले पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

मुंबई।

चुनावी गहमागहमी से बढ़ी राजनीतिक सरगर्मियों और बढ़ते कोरोना केस के बीच देश के शेयर बाजार ने बीते सप्ताह नये वित्त वर्ष का स्वागत गर्मजोशी के साथ किया। आने वाले हफ्ते में कई प्रमुख आर्थिक आंकडे जारी होने के साथ-साथ आरबीआई मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक भी होने जा रही है। घरेलू शेयर बाजार हाल के दिनों में अमेरिकी बांड बाजार के रुखों से भी प्रभावित रह है। ऐसे में शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह जारी होने वाले प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और विदेशी संकेतों से ही तय होगी जबकि निवेशकों की नजर आरबीआई की बैठक में लिए जाने वाले फैसलों पर भी टिकी रहेगी। उधर, कई घरेलू कंपनियां बीते वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे जारी करने वाली हैं। देश के विनिर्माण क्षेत्र की तस्वीर पेश करने वाले प्रमुख आर्थिक आंकड़े मार्किट मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के मार्च महीने के आंकड़े सप्ताह के आरंभ में सोमवार को जारी होने वाले हैं जबकि सेवा क्षेत्र की पीएमआई के मार्च महीने के आंकड़े बुधवार को आने वाले हैं। नये वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक इस सप्ताह होने जा रही है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक में लिए जाने वाले फैसलों की घोषणा बुधवार को होने वाली है जिस पर बाजार की निगाहें टिकी रहेंगी। उधर, अमेरिका में भी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के मार्च महीने के आंकड़े सोमवार को ही जारी होंगे।

वहीं, अमेरिका में गैर-कृषि क्षेत्र के रोजगार के मार्च महीने के आंकड़े जो बीते सप्ताह जारी हुए हैं वो काफी उत्साहवर्धक हैं। इन आंकड़ों का असर वैश्विक बाजार पर देखने को मिलेगा जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी रहेगा।

जीएमआर ने नई इकाई जीएमआर इनोवेक्स शुरू किया

हैदराबाद। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जीएमआर ग्रुप ने नवोन्मेषण को प्रोत्साहन के लिए एक नया कारोबारी प्रभाग जीएमआर इनोवेक्स शुरू किया है। कंपनी का इरादा कारोबार से जुड़े सभी पहलुओं में नवोन्मेषण के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना है। जीएमआर ने कहा कि जीएमआर इनोवेक्स एक मुक्त नवप्रवर्तन मॉडल है, जो नवोन्मेषण एक्सचेंज के रूप में काम करेगा। यह स्टार्टअप, कंपनियों, नवोन्मेषण मंचों, शोध संस्थानों और अकादमिक संस्थानों के साथ भागीदारी में नवोन्मेषी विचारों और समाधान पर काम करेगा। इससे नवोन्मेषण और उद्यमिता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी ने कहा कि हैदराबाद हवाईअड्डा परिसर में नवप्रवर्तन के लिए एक प्रतिबद्ध सुविधा भी शुरू की गई है। बयान में कहा गया है कि यह स्टार्टअप, उद्योग भागीदारों और जीएमआर कर्मचारियों के लिए विभिन्न नवोन्मेषण गतिविधियों के मंच के रूप में काम करेगा।

सर्राफा एमसीएक्स समीक्षा: सोना चमका, चांदी टूटी

मुंबई: अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में रही गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर बीते सप्ताह घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में उछाल देखा गया जबकि चांदी की चमक घट गई। सप्ताहांत पर एमसीएक्स सोना वायदा 580 रुपए बढ़कर 45,167 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा तथा चांदी 812 रुपए गिरकर 64,009 रुपए प्रति किलो हो गई। वही सोना मिनी 421 रुपए की साप्ताहिक बढ़ोतरी के साथ 44,963 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया तथा चांदी मीनी 768 रुपए कमजोर हो कर 64,247 रुपय प्रति किलो बोली गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्ताह के दौरान सोना हाजिर 10 डॉलर कमजोर हुआ और 1714 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। अमेरिकी सोना वायदा भी 12 डॉलर लुढ़क कर 1712 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर सप्ताह के दौरान मामूली रूप से एक डॉलर घटकर सप्ताहांत पर 24.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर बंद हुई।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा, FPI ने मार्च में 17,304 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजारों में निवेश का सिलसिला मार्च में लगातार तीसरे महीने जारी रहा। मार्च में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 17,304 करोड़ रुपए का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 31 मार्च के दौरान शेयरों में 10,482 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार में 6,822 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 17,304 करोड़ रुपए रहा। इससे पहले एफपीआई ने फरवरी में भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 23,663 करोड़ रुपए और जनवरी में 14,649 करोड़ रुपए का निवेश किया था। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों की वजह से भारतीय बाजारों में निवेश प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान टीकाकरण अभियान तथा अर्थव्यवस्था में सुधार की वजह से बाजार काफी हद तक स्थिर है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका द्वारा 1,900 अरब डॉलर के महामारी राहत पैकेज की घोषणा के बाद वैश्विक वित्तीय बाजारों में अत्यधिक तरलता है। इसका प्रवाह भारत जैसे उभरते बाजारों की ओर हो रहा है।

रिपोर्ट: IT सेक्टर से जुड़े लोग अपने बारे में नहीं देते सही जानकारी

नेशनल डेस्क-

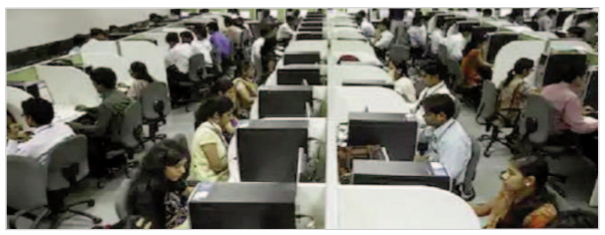

नौकरी के लिए आवेदन करने वाले प्रत्येक 100 में से आठ उम्मीदवार अपने बारे में सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराते हैं और गलत सूचना देते हैं। कर्मचारी की पृष्ठभूमि के सत्यापन में सबसे अधिक 16.60 प्रतिशत की खामी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में देखने को मिली है। पहचान प्रबंधन और कारोबार आसूचना कंपनी ऑथब्रिज के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। हालांकि, पिछले तीन साल के दौरान कर्मचारियों द्वारा गलत जानकारी देने के कुल मामले घटे हैं।

कौन-कौन से हैं सेक्टर जो नहीं देते ब्यौरा

ऑथब्रिज की छठी वार्षिक रुख रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में दूसरा स्थान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 12 प्रतिशत अभ्यार्थी अपने बारे में सही जानकारी उपलब्ध नहीं करते हैं। इसके बाद 10.22 प्रतिशत के साथ खुदरा क्षेत्र का स्थान आता है। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा यानी बीएफएसआई क्षेत्र के लिए यह आंकड़ा 9.76 प्रतिशत और फार्मा के लिए 9.65 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र में 9.58 प्रतिशत उम्मीदवार अपने नौकरी के आवेदन में गलत जानकारियां देते हैं। रिपोर्ट कहती है कि कुल मिलाकर 100 में से आठ उम्मीदवार अपने बारे में गलत या झूठी जानकारी नियोक्ता को देते हैं।

नौकरी के लिए 9.09 प्रतिशत उम्मीदवार दे रहे आयु की गलत जानकारी

रिपोर्ट के अनुसार 35 से 39 साल के उम्मीदवार सबसे अधिक गलत जानकारी देते हैं। इस आयु वर्ग में 9.09 प्रतिशत उम्मीदवार गलत जानकारी देकर नौकरी पाने का प्रयास करते हैं। रिपोर्ट कहती है कि इस आयु वर्ग में कर्मचारी रोजगार का अच्छा अवसर नहीं गंवाने के लिए ऐसा करते हैं। ऑथब्रिज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय त्रेहन ने ई-मेल से दिए जवाब में कहा कि इन तथ्यों को देखने के बाद नियुक्ति करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल के दौरान उम्मीदवारों द्वारा गलत जानकारी देने के मामलों में कमी आई है। भारतीय कॉरपोरेट जगत ने किसी उम्मीदवार की पृष्ठभूमि का पता लगाने के अपने तंत्र को सख्त किया है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य रूप से उम्मीदवारों द्वारा अपने पते, पिछली नौकरी, पहचान और शैक्षणिक योग्यता की गलत जानकारी दी जाती है।

50 करोड़ फेसबुक यूजर्स के फोन नंबर और निजी डाटा लीक, 60 लाख भारतीय भी लिस्ट में

इंटरनेशनल डेस्क। लोगों की जानकारी की सुरक्षा को लेकर फेसबुक एक बार फिर सवालों के कटघरे में खड़ी हो गई है। 2019 में फेसबुक के यूजर्स का लीक हुआ डेटा दोबारा सामने आ गया है। हैकरों की एक वेबसाइट पर 50 करोड़ से अधिक फेसबुक यूजर (उपयोगकर्ताओं) के डेटा की जानकारी उपलब्ध है।डेटा उपलब्ध होने की जानकारी 'बिजनेस इनसाइडर' वेबसाइट ने दी।

106 देशों के लोगों के फोन नंबर उपलब्ध

इस वेबसाइट के अनुसार, 106 देशों के लोगों के फोन नंबर, फेसबुक आईडी, पूरे नाम, स्थान, जन्मतिथि और ईमेल पते ऑनलाइन उपलब्ध है। दावा किया जा रहा है कि 50 करोड़ से ज्यादा लोगों के फोन नंबर और निजी डाटा को हैकर्स ने सार्वजनिक कर दिया है। जो डाटा लीक हुए हैं, उसमें 60 लाख भारतीयों का डाटा भी शामिल है। हालांकि, फेसबुक ने इस मामले पर सफाई दी है और कहा है कि लीक हुए सारे डाटा 2019 से पहले के हैं। इसके साथ ही ये भी कहा है कि डाटा लीक होने के बाद सबकुछ ठीक कर दिया गया था।

फेसबुक पर उठ चुके हैं कई सवाल

लोगों की जानकारी की सुरक्षा को लेकर फेसबुक पर कई साल से सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया कंपनी ने 2018 में फोन नंबर के जरिए यूजर के खातों को खोजने की सुविधा इस खुलासे के बाद बंद कर दी थी कि राजनीतिक कंपनी 'कैम्ब्रिज एनालिटिका% ने आठ करोड़ 70 लाख फेसबुक यूजर की जानकारी उनकी जानकारी या सहमति के बिना प्राप्त कर ली।

पुराने डाटा से भी हो सकता है नुक्सान

यूक्रेन के एक सुरक्षा अनुसंधानकर्ता ने दिसंबर 2019 में बताया था कि 26 करोड़ 70 लाख फेसबुक यूजर की जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है। अभी यह अस्पष्ट है कि 'बिजनेस इनसाइडर% ने जिस डेटा के उपलब्ध होने की जानकारी दी है, वह दिसंबर 2019 में मिले डेटा से संबंधित है या नहीं। जानकारों के मुताबिक पुराने डाटा से भी हैकर्स यूजर्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आनंद महिंद्रा ने निभाया अपना वादा, इडली वाली अम्मा को देंगे रेस्टोरेंट जैसा घर

बिजनेस डेस्क:

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ना सिर्फ अपने रोचक ट्वीट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि वे अपनी दरियादिली के लिए काफी मशहूर हैं। आनंद महिंद्रा ने 1 रुपए में लोगों को इडली खिलाने वाली तमिलनाडु की अम्मा को घर देने का वादा पूरा किया है। तमिलनाडु की रहने वाली इस अम्मा को अब जल्दी ही उनका अपना घर मिलने वाला है जो रेस्टोरेंट की शक्ल में होगा।

30 सालों से अम्मा कर रही है यह काम

दरअसल साल 2019 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में रहने वाली कमलाथल इडली अम्मा के नाम से सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। कमलाथल महज एक रुपए में लोगों को इडली और सांभर खिलाती हैं। करीब 30 सालों से वह एक छोटे से जगह में अपनी इडली की दुकान चला रहीं हैं। कमलाथल जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए बिना किसी फायदे के यह काम कर रहीं हैं।

पहले दिलवाया था गैस क्लेकशन

साल 2019 में इडली अम्मा के नाम से सोशल मीडिया पर मशहूर कमलाथल नाम की महिला का वीडियो आनंद महिंद्रा ने भी शेयर किया था। आनंद महिंद्रा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था कि वह अम्मा के बिजनेस में अपना योगदान देना चाहते हैं और उनके एक लिए एलपीजी स्टोव खरीद कर देना चाहते हैं। जिसके बाद आनंद महिंद्रा ने अम्मा के लिए एलपीजी स्टोव की व्यवस्था कराई थी। वहीं अब फिर से अम्मा के उसी वीडियो को ट्वीट करते हुए आनंद महिंद्रा ने लिखा कि शायद ही किसी को प्रेरक कहानी में एक छोटा सा हिस्सा निभाने का अवसर मिलता है और मैं इसके लिए कमलाथल को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनको इडली अम्मा के रूप में भी जाना जाता है। आगे आनंद महिंद्रा ने लिखा कि इडली अम्मा के पास जल्दी ही अपना घर और रेस्टोरेंट होगा जहां वो इडली बनाएंगी और बेचेंगी।

आनंद महिंद्रा ने किया शुक्रिया

आनंद महिंद्रा ने इडली वाली अम्मा के लिए एक जमीन भी खरीद ली है और उसकी रजिस्ट्री भी करा दी है। महिंद्रा ने इसके लिए कोयंबटूर के निबंधन कार्यालय का भी शुक्रिया अदा किया है। साथ ही आनंद महिंद्रा ने यह भी ट्वीट किया है कि महिंद्रा की टीम इडली अम्मा से सलाह मशविरा कर उनके हिसाब से घर का निर्माण शुरू कराएगी। इसके अलावा आनंद महिंद्रा ने इडली अम्मा कमलाथल को निरंतर एलपीजी गैस मुहैया कराने के लिए भारतगैस कोयंबटूर का भी शुक्रिया अदा किया है। बता दें कि पिछले दिनों

आस्ट्रेलिया टेस्ट सीरिज में उम्दा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा थार देने का फैसला किया था। आनंद महिंद्रा ने खिलाड़ियों को थार देने का वादा पूरा किया है। उन्होंने तेज गेंदबाज टी नटराजन को थार भेज दिया है। भारतीय तेज गेंदबाज ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। आनंद महिंद्रा ने नटराजन के अलावा शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को भी थार देने का फैसला किया है।

एश बार्टी ने मियामी में लगातार दूसरा खिताब जीता

मियामी । दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी ऐश बार्टी ने शबियांका आंद्रेस्क्यू के मुकाबले के बीच से हटने पर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार दूसरा खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया की बार्टी जब 6-3, 4-0 से आगे चल रही थी तब बियांका ने पैर की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। आज (4-4-2021) इटली के 19 साल के यानिक सिनर टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे युवा चैंपियन बनने का प्रयास करेंगे। उन्हें फाइनल में पोलैंड के 26वें वरीय ह्यूबर्ट हुरकाज से भिड़ना है। दोनों ही खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड को पहले महिला वनडे में हराया, सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

माउंट मौंगानुई ।

मेगन शट (32 रन पर चार विकेट) और निकोला कैरी (34 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद ओपनर एलिसा हीली (65), एलिस पैरी (नाबाद 56) और एश्लेग गार्डनर (नाबाद 53) के शानदार अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान न्यूज़ीलैंड को पहले महिला वनडे में रविवार को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बीच इससे पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। वनडे सीरीज के पहले मैच में न्यूज़ीलैंड की टीम टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 212 रन पर सिमट गयी। न्यूज़ीलैंड की तरफ से ओपनर लॉरेन डाउन ने 134 गेंदों में आठ चौकों के सहारे सर्वाधिक 90 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मेगन शट ने चार विकेट निकाले जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए एलिस पैरी और एश्लेग गार्डनर ने पांचवें विकेट के लिए 79 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। पैरी ने 79 गेंदों पर नाबाद 56 रन में सात चौके लगाए जबकि गार्डनर ने 41 गेंदों पर नाबाद 53 रन में तीन चौके और तीन छक्के लगाए। ऑस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर मैच समाप्त कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

तोक्यो ओलंपिक के दावेदारों सहित 35 रोइंग खिलाड़ियों को कोविड-19 का दूसरा टीका लगा

मुंबई : तोक्यो ओलंपिक क्वालीफिक्रेशन की तैयारी कर रहे रोअर सहित कुल 35 भारतीय रोइंग खिलाड़ियों को कोविड-19 का दूसरा टीका लगा जिससे वे देश में पूर्ण टीकाकरण लगवाने वाला देश का पहला खेल समूह बना। पुणे के सेना खेल संस्थान (एएसआई) में शनिवार को 35 रोइंग खिलाड़ियों के अलावा कुछ कोचों और अन्य सहयोगी स्टाफ को भी दूसरा कोविड टीका लगा। भारतीय रोइंग संघ की अध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव ने बताया, ''35 रोइंग खिलाड़ियों के अलावा कुछ कोचों और एएसआई पुणे के सहयोगी स्टाफ को शनिवार को दूसरा टीका लगा। इन 35 खिलाड़ियों में वे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें तोक्यो में पांच से सात मई तक होने वाली विश्व रोइंग एशिया ओसियाना महाद्वीपीय क्वालीफिक्रेशन रेगाटा स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए चुना गया है। राजलक्ष्मी ने उम्मीद जताई कि भारतीय रोअर 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगे। हमें उम्मीद है कि हमारी दो नाव ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी, हमें तोक्यो में होने वाली इस स्पर्धा से क्वालीफाई करने की उम्मीद है। रियो ओलंपिक 2016 के लिए सिर्फ दत्तु बब्बन भोकानल ने पुरुष एकल स्कल्स में क्वालीफाई किया था और 13वें स्थान पर रहे थे। भोकानल ने 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। एएसआई पुणे में ट्रेनिंग कर रहे और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय तीरंदाजों को भी कोविड-19 का पहला टीका लग चुका है और उन्हें दूसरा टीका अगले हफ्ते लगेगा जिसके बाद वे 19 अप्रैल से गुआटेमाला सिटी में होने वाले विश्व कप चरण एक में हिस्सा लेने के लिए रवाना होंगे। टीकाकरण अभियान के तहत आठ शीर्ष भारतीय तीरंदाजों अतनु दास, तरूणदीप राय, प्रवीण जाधव और बी धीरज (रिजर्व), दीपिका कुमारी, अंकित भकत, कोमोलिका बारी और मधु वेदवान (रिजर्व) सहित अन्य तीरंदाजों को टीके लग चुके हैं। भारतीय सीनियर दल में शामिल कोचों और सहयोगी स्टाफ सहित सभी 16 सदस्यों को पहला टीका लग चुका है।

नोएडा में शुरू हुई जूनियर एवं कैडेट कुश्ती राष्ट्रीय चैंपियनशिप, 600 पहलवान दिखाएंगे दमखम

नोएडा । देश के 30 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के लगभग 600 खिलाड़ी नोएडा में शुरू हुई लड़कों की जूनियर एवं कैडेट फ्रीस्टाइल कुश्ती राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीयअध्यक्ष एवं सांसद बृजभूषण सिंह ने चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय कुश्ती संघ और नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को एशियाई चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा जिसका आयोजन जुलाई में दिल्ली में होना है।

आईपीएल-14 : खिताबी हैट्रिक पर है पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस की नजरें

नई दिल्ली.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सीजन में रिकॉर्ड पांचवीं बार खिताब जीतने वाली मुंबई इंडियंस टीम लीग के आगामी 14वें सीजन में खिताबी हैट्रिक लगाने के इरादे से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। कागजों पर बेहद मजबूत दिखाई दे रही मुंबई इंडियंस के पास ऐसी टीम है, जिसके दम पर वह इस बार भी खिताब जीतने के समक्ष है। टीम ने इस बार भी अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करते हुए कप्तान रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, किरोन पोलार्ड और हार्दिक पांड्या तथा ऋणाल पांड्या को रिटेन किया है। किशन, डी कॉक और यादव ने पिछले सीजन में शानदार बल्लेबाजी की थी और उन्होंने क्रमश : 516, 503 और 480 रन बनाए थे, जबकि हार्दिक और पोलार्ड ने टीम की पारियों को सही फिनिश प्रदान किया, जिससे टूर्नामेंट में वे एक पूर्ण बल्लेबाजी इकाइयों में से एक बन गए हैं। गेंदबाजी में भी ट्रेंट बाऊल्ट और जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद के साथ पॉवरप्ले में बेहतरीन गेंदबाजी की थी। इसके अलावा उन्होंने डेथ ओवरों में भी कमाल की गेंदबाजी की थी। टीम ने इस सीजन के लिए बाऊल्ट ने न्यूजीलैंड के टीम साथी जेम्स नीशम और एडम मिल्ने को भी शामिल किया है। हालांकि गेंदबाजी में मध्य ओवरों में टीम के साथ समस्या रही है। स्पिनर राहुल चाहर ने पिछले सीजन में 28.86 की औसत से 15 विकेट चटकाए थे। लेकिन दूसरे छोर से उन्हें अच्छा साथ नहीं मिला था और ऋणाल ने केवल छह ही विकेट लिए थे, जबकि जयंत यादव केवल दो ही मैच खेल पाए थे। मुंबई इंडियंस ने इस सीजन के लिए अनुभवी पीयूष चावला को भी अपने साथ जोड़ा हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सात मैचों में छह विकेट लिए थे। मुंबई इंडियंस ने 2013 के बाद से अपने किसी भी सीजन के शुरूआती मैच नहीं जीते हैं।

क्रिकेट संचालन निदेशक जहीर खान ने कहा कि टीम को उन परिस्थितियों के आधार पर चुना गया था, जो टीम को वानखेड़े स्टेडियम, उनके पारंपरिक घरेलू मैदान में मिलने की उम्मीद थी, जिसका मतलब है कि इस सीजन में मुख्य भूमिका होगी। जहीर ने कहा, 'टीम का चयन वानखेड़े में खेलने के आधार पर की गई। लेकिन हम इसके बजाय चेन्नई में बहुत सारे मैच खेलेंगे। यह पिछले साल भी हुआ था जब हम यूएई में विदेशी परिस्थितियों में खेले थे। यह हमेशा परिस्थितियों के अनुकूल होने के बारे में है, इसलिए हमें चार अलग-अलग पिचों पर खेलने में कोई समस्या नहीं है। 2019 सीजन में भी हमने चेन्नई, हैदराबाद और दिल्ली में जीत दर्ज की थी। हमारे खिलाड़ियों ने हमेशा इस तरह की चुनौतियों का सामना किया है।'

टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), एडम मिल्ने, आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकुल रॉय, अर्जुन तेंदुलकर, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, हार्दिक पांड्या, ईशान किशन (विकेटकीपर), जेम्स नीशम, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, ऋणाल पांड्या, मार्को जानसेन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, पीयूष चावला, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट, युधवीर सिंह।

सपोर्ट स्टाफ : महेला जयवर्धने (मुख्य कोच), शेन बॉन्ड (गेंदबाजी कोच), रॉबिन सिंह (बल्लेबाजी कोच), जेम्स पैमेंट (फील्डिंग कोच), जहीर खान (क्रिकेट संचालन निदेशक), पॉल मैनमैन (कंडीशनिंग कोच), केविन सिम्स (फिजियोथेरेपिस्ट)।

मोहम्मद अजहरूद्दीन ने हैदराबाद में आईपीएल की मेजबानी का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) के अध्यक्ष मोहम्मद अजहरूद्दीन ने रविवार को प्रस्ताव दिया कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण अगर मुंबई से मैचों को हटाना पड़ा तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इसके लिए उनके राज्य की सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकता है। बीसीसीआई ने मुंबई में कोविड-19 के मामलों के तेजी से बढ़ने के बाद इंदौर और हैदराबाद को आगामी नौ अप्रैल से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए 'स्टैंड बाई% के तौर पर तैयार रहने को कहा है। मुंबई को 10 मैचों की मेजबानी करनी है। यह स्थिति वानखेड़े स्टेडियम के 10 मैदानकर्मियों और प्रतियोगिता प्रबंधन से जुड़े छह प्रबंधकों के कोविड-19 पॉजिटिव होने के बाद और गंभीर हो गयी। अजहरूद्दीन ने अपने ट्विटर पर लिखा कि यह मुश्किल समय सबके एकजुट रहने का एक और कारण है। हैदराबाद क्रिकेट संघ अपनी सुविधाओं को बीसीसीआई को प्रदान करना चाहेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आईपीएल 2021 सुरक्षित स्थानों पर आयोजित किया जाए। मुंबई में शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 9,108 मामले सामने आये है और अगर वहां स्थिति बेकाबू हुई तो आंशिक लॉकडाउन लग सकता है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि देखिए, यदि लॉकडाउन होता है तो टीमें जैव सुरक्षित वातावरण में हैं और वैसे भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं है। इसलिए हमें अब भी मुंबई में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आईपीएल मैचों के आयोजन की उम्मीद है। लेकिन यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर चली आ जाती है तो हैदराबाद और इंदौर को स्टैंड बाई रखा गया है।

पूनाचा ने चौथी सीड ओलिवर क्रॉफोर्ड को हराकर जीता ITF पुरुष खिताब

नई दिल्ली ।

भारत के निकी कलियांदा पूनाचा ने चौथी सीड अमेरिकी खिलाड़ी ओलिवर क्रॉफोर्ड को रविवार को लगातार सेटों में 6-3, 7-6 से हराकर 15 हजार डॉलर का आईटीएफ पुरुष टेनिस खिताब जीत लिया। पूनाचा ने इस जीत के साथ 2018 में इंडोनेशिया में मिली खिताबी जीत के बाद आईटीएफ पुरुष टूर में अपना खिताबी सूखा समाप्त किया। अपनी जीत के बाद अनंतपुर के 25 वर्षीय पूनाचा ने कहा, 'जीतने के बाद बहुत अच्छा लग रहा है। आप सभी सपोर्ट स्टाफ का बहुत धन्यवाद। हर किसी ने मेरे खेल को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यह बहुत खुशी का पल है। मैं खुद को थोड़ा नर्वस महसूस कर रहा था लेकिन एक बात ने मुझे मुकाबले में बनाये रखा कि मैंने जब इतनी मेहनत की है तो मैं आसानी से मुकाबला नहीं छोड़ सकता। इसलिए मैं लगातार संघर्ष करता रहा।' इससे पहले कल अर्जुन काढ़े और साकेत मिनेनी की शीर्ष वरीय जोड़ी ने युगल खिताब पर अपना कब्ज़ा जमाया था।

उज्बेकिस्तान के साथ मैत्री मैच के लिये सर्वश्रेष्ठ तैयारियों में जुटी है भारतीय टीम : कोच

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने कहा कि दो मैत्री मैचों से पहले ही उज्बेकिस्तान की यात्रा करना सही फैसला था क्योंकि यहां परिस्थितियां घरेलू सरजमीं से बिलकुल विपरीत हैं। भारतीय टीम को सोमवार को मेजबान उज्बेकिस्तान और गुरूवार को बेलारूस से दो मैत्री मैच खेलने हैं। मेमोल ने कहा, 'हम यहां जल्दी आ गये जिससे उज्बेकिस्तान में ट्रेनिंग कर पाए। यहां मौसम काफी ठंडा है। गोवा में जो मौसम था, उसमें और इसमें बड़ा अंतर है। लेकिन लड़कियां अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही हैं। हम सुबह और शाम दोनों के सत्रों में ट्रेनिंग कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं।% उन्होंने कहा, 'हम पहले भी (2019) उज्बेकिस्तान से खेल चुके हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि तब से उनकी टीम पूरी बदल चुकी है। हमारी टीम भी निश्चित रूप से बदल गयी है। मुझे भरोसा है कि यह किसी भी टीम के लिये आसान मैच नहीं होगा। हम इसमें भिड़ने के लिये तैयार हैं।% मेमोल ने कहा कि बेहतर प्रतिद्वंद्वियों से खेलने से उनकी टीम को लंबे समय के लक्ष्यों की तैयारी के लिए मदद मिलेगी जो 2022 एएफसी महिला एशियाई कप के लिये तैयार होना है जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है।

अमित मिश्रा का बड़ा बयान, कहा- कप्तान की देखरेख में बनते हैं अच्छे स्पिनर

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रमियर लीग (आईपीएल) के सबसे सफल लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि कलाई से गेंद को स्पिन कराना एक मुश्किल कला है जिसके लिए काफी अभ्यास के साथ मैच के बुरे पलों में कप्तान के साथ की भी जरूरत होती है। भारतीय क्रिकेट में अंगुली के स्पिनर की जगह कलाई के स्पिनरों को तरजीह दी गयी लेकिन चार साल के बाद टीम एक बार फिर से अंगुली के स्पिनरों की तरफ देख रही है। मिश्रा का मानना है कि अच्छे लेग स्पिनर को विकसित करने में अच्छी कप्तानी की जरूरत होती है। मिश्रा ने कहा कि किसी भी लेग स्पिनर को एक अच्छे कप्तान की जरूरत होती है। जब गेंदबाज के खिलाफ रन बन रहा होता है तो उसे ऐसा कप्तान चाहिए होता है जो उसका आत्मविश्वास बढ़ा सके। मेरा मतलब ऐसे कप्तान से है जो लेग स्पिनर की मानसिकता को समझ सके। मिश्रा ने भारत के लिए सभी प्रारूपों में 68 मैच खेले हैं। युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव और राहुल चाहर को छोड़कर फिलहाल भारतीय क्रिकेट में कोई अच्छा लेग स्पिनर नहीं है। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले राहुल तेवतिया की पहचान एक बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में, हमारे पास कुछ अच्छे लेग-स्पिनर आये हैं, लेकिन जब हमारे पासे और ऐसे गेंदबाज होंगे तो हमें अधिक गुणवत्ता मिलेगी, जिनके पास कौशल होगा और वे अपनी इस कला को अगली पीढ़ी के साथ साझा करेंगे। लेग स्पिन से जुड़े ज्ञान को अगली पीढ़ी को बताना जरूरी है क्योंकि यह एक कला की तरह है। मिश्रा ने आईपीएल के 150 मैचों में 160 विकेट लिए है और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में ललित मलिंगा (170) के बाद दूसरे स्थान पर है। इस अनुभवी गेंदबाज ने कहा कि मैं ऐसा बिल्कुल भी नहीं कह रहा हूं कि हमारे पास अच्छे लेग स्पिनर नहीं है, हमारे पास ऐसे कई गेंदबाज है लेकिन उनमें से ज्यादातर को मार्गदर्शन की जरूरत है। एक बार जब यह मार्गदर्शन उपलब्ध होगा तो आप बड़ी संख्या में ऐसे गेंदबाजों को देखेंगे। बल्लेबाजों ने नये शॉट इजात किये है और ऐसे में खासकर टी20 प्रारूप में यह गेंदबाजों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि टी 20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें आप कभी ढिलाई नहीं बरत सकते। खासकर आईपीएल में, क्योंकि बल्लेबाज हमेशा आपके खिलाफ आक्रमण करना चाहते हैं। अगर आप पिछले कुछ वर्षों को देखेंगे तो टी20 के स्ट्रोकप्ले (बल्लेबाजों के शॉट) में कितने बदलाव आए हैं और इसी तरह गेंदबाज को भी विकसित होने की जरूरत है।

मिश्रा भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेले थे। वह 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पिछले एकदिवसीय श्रृंखला में 15 विकेट के साथ मैन ऑफ द सीरीज रहे थे। इसके बाद उन्हें सिर्फ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मौका मिला और फिर टीम से बाहर कर दिया गया। मिश्रा से जब पूछा गया कि क्या वह धीमी गेंदबाजी करते है? उन्होंने कहा कि मैं लोगों को उनके निष्कर्ष निकालने से नहीं रोक सकता लेकिन यह मेरी क्षमता का प्रमाण यह है कि मैं पिछले 13 सत्रों से दुनिया की सबसे कठिन टी20 लीग में खेल रहा हूं, जो अपने आप में एक उपलब्धि है।

वानखेड़े स्टेडियम के 10 मैदानकर्मी और IPL के 6 इवेंट मैनेजर हुए कोरोना पॉजिटिव

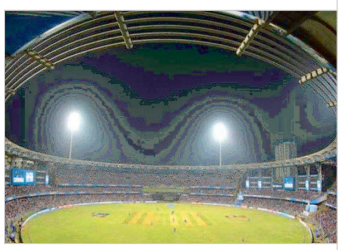

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सत्र का आगाज होने में 4 दिन बचे हैं। लेकिन कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण आईपीएल पर खतरा मंडरा रहा है। पहला मैच चेन्नई में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। लेकिन इससे पहले वानखेड़े स्टेडियम के 10 कर्मचारी और आईपीएल के 6 इवेंट मैनेजर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल का दूसरा मैच खेला जाएगा जो चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा। इस समय दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियन्स, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की टीमें मुंबई में। हालांकि टीम का कोई भी खिलाड़ी या सदस्य स्टेडियम नहीं गया है। वहीं एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स ब्रेबोर्न स्टेडियम और बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स मैदान पर अभ्यास कर रही हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने चेन्नई रवाना होने से पहले नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम में अभ्यास किया था। गौर हो कि हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल कोरोना की चपेट में आए हैं और आज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ओपनर देवदत्त पडिक्कल के भी कोरोना संक्रमित होने की खबर सामने आई है। हालांकि पडिक्कल के बारे में आधिकारिक जानकारी तो नहीं दी गई लेकिन उन्हें टीम से दूर कर दिया गया है और आईसोलेशन में चले गए हैं।

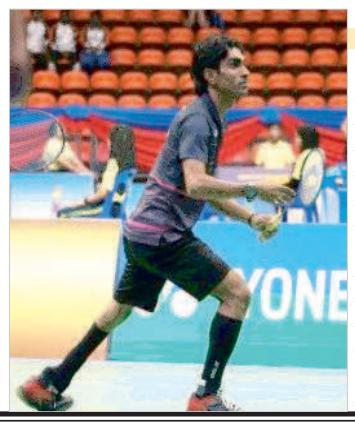

पैरा बैडमिंटन : शीर्ष भारतीय खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे

अप्रैल । विश्व चैंपियन रहे प्रमोद भगत ने पुरुष एकल वर्ग के और सुकांत कदम तथा नितेश कुमार की युगल जोड़ी ने शबाब अल अहली क्लब में जारी तीसरे शेख हमदान बिन राशिद अल मकतूम दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2021 टूर्नामेंट में अपने अपने वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। उनके अलावा विश्व विजेता मानसी जोशी, पलक कोहली और टॉप सीड कृष्णा नागर ने भी फाइनल में प्रवेश किया, जबकि प्रेम कुमार अले की नजरें दो स्वर्ण पदक पर होगी क्योंकि उन्होंने पुरुष युगल और मिश्रित युगल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भगत अपने पुरुष एकल एसएल 3 के वर्ग के फाइनल में हमवतन नीतेश से भिड़ेंगे। भगत ने सेमीफाइनल में मलेशिया के मोहम्मद हुजैरी अब्दुल मलिक को 21-7, 21-17 से हराया। नीतेश ने सेमीफाइनल में हमवतन मनोज सरकार को 21-19, 22-20 से मात दी। कदम ने सेमीफाइनल में जर्मनी के मार्सल एडम को 21-11, 21-11 से हराया और अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना लुका मेजुर से होगा। कदम ने नीतेश के साथ मिलकर मुहम्मद हुजैरी अब्दुल मालेक और मुहमद जुल्फतिही जाफर की मलेशियाई जोड़ी को 21-19, 19-21, 21-13 से शिकस्त दी। पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में अब उनका सामना हमवतन भगत और सरकार की जोड़ी से होगा।

बच्ची का अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने ढूंढ निकाला

पड़ोस में रहता युवक बच्ची को ले जाने के बाद बच्ची लापता हुई थी, पुलिस ने १०००० से ज्यादा पोस्टर छपवाए

सूरत।

अपनी बेटी नहीं होने को लेकर पड़ोस की ढाई महीने पहले ३ वर्ष की बेटी को सूरत के पांडेसरा क्षेत्र से अपहरण करके अपने मामा के घर पर रखकर बेटी के जैसे रखता शख्स के विरूद्ध बच्ची के पिता ने पुलिस शिकायत की थी। हालांकि बच्ची की फोटो या आरोपी कोई जानकारी नहीं होने पर भी पुलिस ने बच्ची को छुड़वाकर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। इस बारे में यह जानकारी है कि, सूरत में आज से ढाई महीने पहले पांडेसरा के गोवालक नगर में क्षेत्रपाल नगर में रहते झारखंड के परिवार की ३ वर्ष की बच्ची अचानक लापता हो जाने इसके पिता ने शिकायत की थी। हालांकि पड़ोस में रहता संजय रावल नाम का युवक बच्ची को ले जाने के बाद बच्ची लापता हुई थी। हालांकि पिता ने जब पुलिस शिकायत की तब पिता ने पुलिस को जानकारी दी थी कि पड़ोसी संजय ने मैं इशिता को कुछ देर के लिए खिलवाने के लिए ले जाता हूं यह कहकर ले गया था। हालांकि पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की थी लेकिन पुलिस के लिए इस केस में सबसे ज्यादा मुश्किल यह थी कि आरोपी का फोटोग्राफ और कोई निश्चित पता नहीं था इतना ही नहीं निश्चित इसका भी कोई फोटो नहीं होने से किस तरीके से जांच करे यह एक बड़ा प्रश्न था। पुलिस ने १०००० हजार से ज्यादा अलग-अलग भाषाओं में पोस्टर छापकर निशिता के लापता होने का मामला लोगों तक पहुंचाया। आरोपी संजय रावल केटरींग के व्यापार के साथ जुड़े होने से पांडेसरा पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर सभी कैटरी के साथ जुड़े हुए लोगों के निवेदन लेने शुरू किए थे। संजय रावल का कोई निश्चित पता नहीं होने से पांडेसरा क्षेत्र में तथा अन्य क्षेत्र में ब्रिज के नीचे रहते लोगों का भी संपर्क किया गया था। पांडेसरा पुलिस ने इसकी खोजबीन करते करीब २५० अलग-अलग क्षेत्र के सीसीटीवी फूटेज की जांच की। जिसमें उसने आरोपी तीन वर्षीय निशिता को ले जाते होने का मालूम हुआ। जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने यह क्षेत्र के लोगों का संपर्क किया था जिसमें उनको कई महत्व की जानकारी मिली थी। पांडेसरा पुलिस स्टेशन के दिग्विजय सिंह को मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने सूरत रेलवे स्टेशन पर निगरानी रखी थी। सूरत रेलवे स्टेशन से आरोपी संजय रावल की गिरफ्तारी की गई थी। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपी पूछताछ करने पर आरोपी संजय रावल अपहरण करके निशिता को पंचमहाल जिले की कातोली गांव में इसकी मामी के घर पर रखकर आया था। पांडेसरा पुलिस ने जरा भी देरी किए बिना पंचमहाल पहुंचकर बेटी का कब्जा ले लिया हालांकि पिता को कोई बेटी नहीं होने को लेकर इसने यह ३ वर्ष की बच्ची का अपहरण करने की कबूलात की हालांकि यह इस बच्ची को अपनी बेटी के जैसे रखता अब पुलिस के सामने कबूल किया था हालांकि पुलिस बच्ची को लेकर सूरत तो आई लेकिन हाल में इसका परिवार लापता हो गया है जिसे लेकर अब यह बच्ची को चिल्ड्रन होम में रखी गई है। आरोपी की कोई भी पहचान का सबूत नहीं होने पर भी पांडेसरा पुलिस ने काफी प्रयास करके ढूंढ निकाला।

२४ घंटे में कोरोना के कुल २८७५ मामले सामने आए

अहमदाबाद।

गुजरात राज्य में लगातार कोरोना वायरस के मामले अब लगातार बढ़ रहे है। गुजरात में बीते २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के २८७५ नए मामले सामने आए है। नए मरीजों की पुष्टि के साथ ४५६६ व्यक्ति की मौत दर्ज की गई। पिछले २४ घंटे में राज्य में १४ व्यक्ति की मौत हो गई है। जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ४, सुरत कोर्पोरेशन ८, अमरेली में १, वडोदरा कोर्पोरेशन में १ व्यक्ति शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में अबतक २९८७३७ मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया गया है जबकि अबतक ४५६६ की कोरोना वायरस के कारण मौत दर्ज की गई है। अहमदाबाद में ६७६ कोरोना वायरस के मामले सामने आये है। गुजरात में पिछले २४ घंटे में गुजरात में कुल १४ व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। राज्य में कुल मृतांक ४५६६ पर पहुंच चुका है। २०२४ मरिजो को ठीक होने के बाद डीस्चार्ज कर दिया गया है। गुजरात राज्य में कुल एक्टीव केसो की संख्या १५१३५ है। १६३ मरिज वेन्टीलेटर पर है और १४९७२ मरिज स्टेबल है। राज्य में १६ जनवरी से कोरोना के टीकाकरण का आरंभ किया जा चुका है। अभी तक में कुल ६४,८९,४४१ व्यक्तियों का पहला डोज का और ७२,७२,४८४ व्यक्तियों के दूसरे डोज का टीका पूरा हुआ। अभी तक में राज्य में एक भी व्यक्ति को यह वैक्सीन की वजह से गंभीर साइडइफेक्ट देखने को नहीं मिला है।

राज्य में रिकवरी रेट ९३.८१ फीसदी है। राज्य में अभी तक में हेल्थ विभाग के काफी प्रयासों की वजह से २९८७३७ मरीजों ने कोरोना को मात दी है। पिछले २४ घंटे में राज्य मे २०२४ लोगो को डिस्चार्ज किया गया है। बीते कुछ दिनों से गुजरात में कोरोना के २८०० के आसपास मामले सामने आ रहे हैं।

वैक्सीन लगवाने पर मिल रहे हैं गोल्ड नोजपिन और हैंड ब्लैंडर

राजकोट के स्वर्णकार समुदाय की ओर से की वैक्सीन लेने पर महिलाओं को सोने की नोजपिन दी जा रही है

राजकोट।

कोरोना वैक्सीन को लेकर अभी भी लोगों के मन में शंका है। देश में टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए लगातार सरकार अपील कर रही है लेकिन गुजरात के राजकोट जिले में एक अनोखा प्रयोग देखने को मिला।

राजकोट में वैक्सीन लेने पर न सिर्फ खुद को बीमारी से सुरक्षित किया जा सकता है बल्कि यहां कई तरह के गिफ्ट भी दिए जा रहे हैं। गुजरात के राजकोट के स्वर्णकार समुदाय की ओर से कोरोना की वैक्सीन लेने पर महिलाओं को सोने की नोजपिन दी जा रही है जबकि पुरुषों को हैंड ब्लैंडर दिए जा रहे हैं। गुजरात के राजकोट में कोरोना वैक्सीनेशन कैंप से दिलचस्प तस्वीरें आई हैं। यहां कोरोना वैक्सीन लगवा रहे लोगों का उत्साहवर्धन करने के लिए जूलर कम्युनिटी की ओर से गिफ्ट ऑफर किया जा रहा है। स्वर्णकार समुदाय की ओर से राजकोट शहर में कोरोना टीकाकरण का कैंप लगाया गया है। यहां जो भी महिला वैक्सीन लगवा रही है, उसे सोने की एक नोजपिन उपहार के रूप में दी जा रही है। वहीं टीका लगवाने वाले पुरुष को हैंडब्लैंडर का गिफ्ट मिल रहा है। उधर राजकोट में इस तरह के गिफ्ट दिए जाने की घोषणा के बाद लोगों में वैक्सीन लिए जाने की होड़ है। राजकोट में स्वर्णकार समुदाय द्वारा लगाए गए कैंप में कई लोग लाइन में लगे हुए हैं। स्वर्णकार समुदाय गिफ्ट बांटने के लिए अलग से अपना सैट-अप किया हुआ है। जैसे ही लोग वैक्सीन लेकर बाहर निकलते हैं स्वर्णकार समुदाय के लोग उनका स्वागत करते हैं और पुरुषों को हैंड ब्लैंडर थमा देते हैं। गुजरात स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक राज्य में पहली बार २८१५ कोरोना के नए मामले दर्ज किए गए हैं। नए मामलों के बाद राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३ लाख १५ हजार के पार पहुंच गई है। वहीं १३ नई मौतों के बाद राज्य में कोरोना की वजह से मृतकों की संख्या बढ़कर ४५५२ हो गई है।

बीजेपी के कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा पीटने का आरोप

अमरेली।

अमरेली में रविवार को वैक्सीनेशन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम में भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल भी उपस्थित हुए तब कार्यक्रम की तैयारी कर रहे भाजपा के ही कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा पीटने की घटना सामने आई है। कार्यकर्ताओं को पीटने पर मामला बढ़ गया और जिला प्रभारी मंत्री धर्मेन्द्रसिंह जाडेजा, पूर्व कैबिनेट मंत्री दिलीप संघाणी और सांसद नारण काछडिया घटनास्थल पर पहुंच गये। पुलिस द्वारा पीटने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को अस्पताल में भर्ती किए जाने का आरोप नेताओं ने लगाया। यह कार्यकर्ताओं को देखने के लिए प्रभारी मंत्री जाडेजा सहित के नेता सिविल अस्पताल पहुंचे। दिलीप संघाणी ने एएसपी अभय सोनी के काम पर गंभीर सवाल उठाये। सांसद नारण काछडिया ने पुलिस पर रेती की घोटाले का आरोप लगाया गया।

दिलीप संघाणी ने पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए फोन पर जिला पुलिस प्रमुख को डांटा। संघाणी ने कहा कि, कोविड का कार्यक्रम है, कोविड का प्रश्न है, कोविड के लिए हम सहकारी आधार पर वैक्सीनेशन का कार्यक्रम करने वाले है इसके लिए भाजपा प्रमुख आते है और इसमें यदि पुलिस बाधा बनेगी तो फिर पुलिस के खिलाफ हम चुप नहीं रहेंगे। आप

पुलिस के प्रमुख हो और इस पर एक्शन लेना चाहिए। हम आज दिन तक पुलिस के खिलाफ कोई प्रश्न नहीं उठाया बाकी कहां शराब मिलता है यह मैं आपको बता सकता हूं। मैं और सांसद आपके साथ आये और बताये कहां पुलिस रेती ले जाती है और कहां शराब मिलता है हालांकि, यह मामले में अभी तक जिला पुलिस प्रमुख द्वारा कोई भी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

अमरेली में पिछले कई दिनों से कई वजह से पुलिस विवाद में आ रही है तब इस बार राजनीतिक मोर्चे पर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने आरोप लगाने पर मामला गर्मा गया है।

सूरत भूमि, सूरत। बुद्ध चैंपियन ट्रॉफी क्रिकेट के मिलन नगर टीम से लखन भाई और सागर भाई फाइनल प्रोग्राम रखा गया था। जिस टीम में एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के अंजना फार्म प्रमुख राजीक भाई ने अपने ग्रांड से इस टीम को टी-शर्ट और टॉफी वितरण की। जिस में उपस्थित एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम मौजूद थी। प्रमुख श्री जहीर खान पठान, महमूद भाई चाय वाला, अफसर भाई लाइट वाला, राजीक भाई,सम्राट भाई, नाजिम भाई, इमरान भाई, उपस्थित थे।

मोबाइल के आदी की वजह से कपल के बीच तकरार

मोबाइल की वजह से कई सुविधा मिली है इसके दुष्परिणाम भी है जिसने मानवीय रिश्तों को प्रभावित किया

सूरत।

मोबाइल के आदी की वजह से कई कपल के बीच तकरार कोर्ट के दरवाजे तक पहुंच रहा है। सूरत में एक केस में कपल के बीच का मामला कोर्ट में आया था और बाद में समाधान भी हो गया, लेकिन समाधान बहुत ही विचित्र हुआ। शादी के छह महीने तक ससुराल में रही बहू के साथ पति का इसीलिए झगड़ा हुआ था कि यह लगातार मोबाइल पर ही एक्टिव रहती थी। इसी वजह से कपल अलग रहने लगे और समाधान की शर्तों के अनुसार पत्नी ने लिखित में गारंटी दी थी कि, यह ससुराल में मोबाइल नहीं ले जाएगी, घर का काम करेगी और आदर्श बहू के जैसे रहेगी। शहर के सैयदपुरा के फिलहाल के एक मामले में मोबाइल की वजह से हुए विवाद के बाद पत्नी ने केस करने पर पति की गिरफ्तारी हुई थी। बाद में पति-पत्नी के बीच समाधान के प्रयास हुए थे।

वडोदरा में रहती युवती और सूरत के युवक की शादी होने के बाद पति और पत्नी दोनों कुछ ही दिनों में वैवाहिक रिश्ते में बंध गये। पति की अन्य स्त्री के साथ की चेटिंग पत्नी ने देख लेने पर इसने माइके जाकर पति के खिलाफ भरणपोषण का केस किया था। ऐसे ही एक मामले में भी पति-पत्नी के बीच झगड़े का मूल मोबाइल बना। पति के आरोप के अनुसार मोबाइल की वजह से पत्नी छह महीने का बच्चे का ध्यान नहीं रखती है। केस वकील के पास आया। समाधान के लिए पति ने कहा कि मेरे साथ रहना हो तो मोबाइल का त्याग कर और सूरत की अठवालाइन्स में रहते कपल का

मामला भी कुछ ऐसा ही है जिसमें पति पत्नी के बीच भी झगड़े के मूल में मोबाइल भी एक मुख्य कारण था। रिपोर्ट के अनुसार पति घर आया बाद में लगातार मोबाइल में ही रहती पत्नी कुछ बात करे तो सुने नहीं और बाद में पूछे तो उन्होंने कुछ नहीं कहा है। इसी बात से झगड़ा हुआ और फिलहाल केस कोर्ट में है।

सीरियल में रोल दिलाने के बहाने ३.५२ लाख की धोखाधड़ी

वडोदरा।

हीरोइन बनने का सपना आजकल प्रत्येक युवती को होता है। लेकिन युवती के मां-पिता अपनी बेटी को हीरोइन बनाने के पीछे लाखों गंवाये ऐसा मामला भाग्य से ही सामने आता है। वडोदरा शहर के सुभानपुरा क्षेत्र में सलून की दुकान वाली मां-बेटी को विश्वास में लेकर बेटी को बॉलिवुड में और सीरियल में रोल दिलाने के बहाने अलग-अलग बहाने ३.५२ लाख रुपये वसूलकर धोखाधड़ी करने की घटना सामने आई है। गोरवा पुलिस ने यह मामले में दो शख्सों के विरूद्ध धोखाधड़ी सहित की धाराओं के तहत अपराध दर्ज करके उनको गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, दो शख्सों ने सीरियल में काम करने के लिए फर्जी लेटर भी दिया था। वडोदरा शहर के सुभानपुरा क्षेत्र में रहती महिला प्रेमलताबहन शर्मा ने पुलिस शिकायत में बताया कि, वह सुभानपुरा क्षेत्र में सलून की दुकान है। दो वर्ष पहले वह १२ वर्ष की बेटी के साथ काम के लिए निकले थे, तब सलून में काम करती एक महिला ने बताया कि, आपकी बेटी बहुत ही सुंदर है, जिसकी वजह से आप इसे फिल्मों काम कराये तो अच्छा यह बताकर इसने मेकअप आर्टिस्ट महिला का संपर्क कराया था तब महिला ने फोन के द्वारा बताया कि, आजवा रोड में स्थित लक्ष्मी फिल्म सिटी में बच्चों के लिए ब्युटी कोन्टेस्ट का प्रोग्राम है, जिसमें सिलेक्ट होगी तो आपकी बेटी बॉलिवुड में जाएगी, जिसकी वजह से बुकिंग के लिए ऑनलाइन १५०० चुकाया था, तब महिला ने बताया कि, आपकी बेटी को जिस फिल्म में साइन किया है, यह फिल्म में रणदीप हुडा है, जिसकी बुकिंग के लिए और ५० हजार रुपये वसूल किए तब इसके बाद कशीश सीरियल में रोल दिलाने के बहाने सुबोधकुमार नाम के व्यक्ति के साथ

परिचय कराया था। मुंबई जाकर कपड़ा बनाने के लिए, सीरियल के लिए, एक्टर कार्ड के लिए, फोटोशूट के लिए ७७ हजार रुपये चुकाये थे। इस तरह शिकायतकर्ता ने टुकड़े-टुकड़े रुपये ३,६७,५०० चुकाया था। जिसमें से १५ हजार रुपया वापस देकर बाकी के ३.५२ लाख वापस नहीं दिया था। जिसकी वजह से महिला ने पुलिस शिकायत की थी। गोरवा पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है।

राकेश टिकैत का विरोध करने वाले युवक की पिटाई

अहमदाबाद।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत रविवार को किसानों की आवाज बुलंद करने के लिए दो दिन की यात्रा पर गुजरात पहुंचे। राकेश टिकैत का पालनपुर में किसान सभा के दौरान एक युवक ने काला झंडा दिखाकर विरोध किया। वहां मौजूद किसानों ने युवक की पिटाई की। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। राकेश टिकैत रविवार सुबह राजधानी एक्सप्रेस से माउंट आबू पहुंचे। यहां कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) व गुजरात जाट महासभा ने उनका जोरदार स्वागत किया। अंबाजी सर्किट हाउस पहुंचने पर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने उनका स्वागत किया तथा वे सभी अंबा माता के मंदिर दर्शन करने पहुंचे।

पुलिस ने टिकैत की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। टिकैत के

किसान रथ के साथ गुजरात पुलिस की एक दर्जन से अधिक गाड़ियां चल कर रही हैं। ५० से अधिक गाड़ियों के काफिले के साथ राकेश टिकैत, शंकर सिंह वाघेला, युद्धवीर सिंह, जाट महासभा के संरक्षक धर्मपाल चौधरी, अध्यक्ष सुभाष चौधरी सहित कई नेता पालनपुर किसान संवाद कार्यक्रम में पहुंचे। किसान संवाद के दौरान है एक युवक ने टिकैत का विरोध करते हुए उन्हें काला झंडा दिखाया। वहां मौजूद किसानों ने युवक की लात-घूंसों से पिटाई की। इसके बाद पुलिस ने बीच-बचाव कर उसे अपनी हिरासत में ले लिया। युवक के विरोध करने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है तथा ना ही उसके किसी राजनीतिक दल से जुड़े होने की बात अभी तक सामने आई है। टिकैत अपनी इस दो दिन की यात्रा के दौरान अहमदाबाद, साबरमती आश्रम, वडोदरा व भरुच के गुरुद्वारा तथा सरदार पटेल के पहले किसान सत्याग्रह की भूमि बारडोली भी जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री व गुजरात के वरिष्ठ नेता शंकर सिंह वाघेला के आमंत्रण पर टिकैत गुजरात यात्रा पर आए हैं तथा पूरी यात्रा के दौरान वाघेला उनके साथ रहेंगे।

गौरतलब है कि गत दिनों इस यात्रा की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह को अहमदाबाद पुलिस यह कहते हुए हिरासत में ले लिया था कि उन्होंने पुलिस से मंजूरी नहीं ली थी। इस घटना को लेकर मीडिया किसान समाज इंटरनेट मीडिया पर पुलिस की भारी आलोचना हुई। अब राकेश टिकैत की यात्रा को लेकर भी काफी संशय बना हुआ है। वाघेला तथा टिकैत कि इस दो दिन की यात्रा पर सबकी नजरें लगी हुई है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने भी गुजरात में किसान यात्रा निकालने की घोषणा की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)